



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 150]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 7, 2011/आषाढ़ 16, 1933

No. 150]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 7, 2011/ASADHA 16, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 2011

अंतिम जांच परिणाम

विषय : सऊदी अरब, कोरिया गणराज्य और अमेरिका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कॉस्टिक सोडा के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा से संबंधित अंतिम जांच परिणाम ।

फा. सं. 15/2/2010-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की प्रक्रिया

प्राधिकारी ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए सऊदी अरब, कोरिया गणराज्य और अमेरिका (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कॉस्टिक सोडा (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) जो उप-शीर्ष 2815 के अंतर्गत आता है, के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की भी सिफारिश की थी। प्राधिकारी द्वारा चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य हेतु जारी निर्णायक समीक्षा जांच संबंधी अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना दिनांक 22-11-2008 की अधिसूचना सं. 15/11/2007-डी जी ए डी द्वारा प्रकाशित की गई थी। सऊदी अरब, ईरान, जापान, अमेरिका और फ्रांस के संबंध में निर्णायक समीक्षा जांच संबंधी अंतिम जांच परिणाम दिनांक 1 अगस्त, 2006 की अधिसूचना सं. 15/29/2004-डी जी ए डी द्वारा अधिसूचित किए गए थे। प्राधिकारी ने दिनांक 8-6-2010 की अधिसूचना सं. 15/2/2010-डीजीएडी द्वारा उक्त निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधिक समीक्षा जांच की शुरुआत की थी। प्रारंभिक मामले में याचिका घरेलू उद्योग की ओर से एल्कली मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर की गई थी और मध्यावधि समीक्षा जांच संबंधी याचिका भी घरेलू उद्योग की ओर से एल्कली मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर की गई है।

(ख) प्रक्रिया

2. मौजूदा जांच में निम्नलिखित प्रक्रिया को अपनाया गया है :

क. प्राधिकारी को एल्कली मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया से अन्य बातों के साथ-साथ इस आधार पर शुल्क की समीक्षा, स्वरूप में संशोधन और लागू पाटनरोधी शुल्क की मात्रा में संवर्धन हेतु विधिवत प्रमाणित आवेदन प्राप्त हुआ था कि पाटित कीमतों पर उत्पाद का निर्यात जारी रहा जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई और मौजूदा शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है । याचिकाकर्ता ने मध्यावधि समीक्षा जांच और लागू पाटनरोधी शुल्क के स्वरूप में संशोधन का अनुरोध करते हुए इस संबंध में प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किया था ।

ख. याचिकाकर्ता द्वारा प्रदत्त समीक्षा की आवश्यकता प्रमाणित करने संबंधी सूचना से संतुष्ट होने के पश्चात प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क(5) के अनुसार दिनांक 8 जून, 2010 की अधिसूचना सं. 15/2/2010-डी जी ए डी द्वारा संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधिक समीक्षा जांच की शुरुआत की थी ।

ग. वर्तमान समीक्षा जांच के दायरे में पूर्व अधिसूचना के सभी पहलू शामिल हैं ।

घ. नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरुआत के संबंध में सूचित किया गया था ।

ङ प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार, ज्ञात निर्यातकों और भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति उपलब्ध कराई । अनुरोध करने पर आवेदन की प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी ।

च. प्राधिकारी ने निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और नियम 6(2) तथा 6(4) के अनुसार पत्र की तारीख के 40 दिन के भीतर उन्हें लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया ।

- हन्वा कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य
- ट्राइकॉन एनर्जी लि., अमेरिका
- सऊदी बेसिक इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन, सऊदी अरब
- सऊदी पेट्रोकेमिकल कंपनी, सऊदी अरब
- शैल ट्रेडिंग (एम.ई.) प्रा.लि. सऊदी अरब
- डी सी कैमिकल्स लि., कोरिया गणराज्य

छ. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों से निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ था :

- हन्वा कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य
- ट्राइकॉन एनर्जी लि., अमेरिका
- सऊदी पेट्रोकेमिकल कंपनी, (एस ए डी ए एफ) सऊदी अरब
- शैल ट्रेडिंग (एम.ई.) प्रा.लि, अमेरिका
- पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट एफ जैड ई, अमेरिका

ज. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों (जिनके नाम व पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रति प्रेषित की गई थी और पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर उन्हें लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी गई थी । :

- (क) अभय कैमिकल लिमिटेड
- (ख) अल्ब्राइट विल्सन कैमिकल्स लिमिटेड
- (ग) अरविन्द मिल्स लिमिटेड
- (घ) सैंट्रल पल मिल्स लिमिटेड
- (ङ) दीपक नाइट्राइट लिमिटेड
- (च) गोदरेज सोप्स लिमिटेड
- (छ) गुजरात नर्मदा फर्टीलाइजर्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड
- (ज) गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड
- (झ) इंडियन फॉर्मर फर्टीलाइजर्स एंड कं. ऑप. लिमिटेड
- (ञ) इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
- (ट) जयस्थानात डाईकैम लिमिटेड
- (ठ) मेघमनी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड
- (ड) नर्मदा केमटूर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड
- (ढ) निरमा लिमिटेड
- (ण) पब कैमिकल्स (प्रा.) लिमिटेड
- (त) रामा न्यूज प्रिन्ट्स एंड पेपर लिमिटेड
- (थ) रबमिन लिमिटेड
- (द) सबेरो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड
- (ध) टोरेट गुजरात बायोटेक लिमिटेड
- (न) ट्रांसपैक सिलोक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (प) नेशनल एल्युमिनियम कं. लिमिटेड
- (फ) साइनाइडीज एंड कैमिकल्स कंपनी
- (ब) हिटसू इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (भ) अदनी एक्सपोर्ट्स लिमिटेड
- (म) लिबरा फोम्स

- (य) श्री रामचन्द्र स्ट्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड
- (र) बिलग इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
- (ल) डरूला ऑर्गेनिक्स लिमिटेड
- (व) सी जे शाह एंड कं.
- (श) हरीश कुमार एंड कं.
- (ष) हिंदुस्तान लिंक एंड रेजिन लिमिटेड
- (स) हिंदुस्तान लीवर लिमिटेड

(झ) निम्नलिखित आयातों ने जांच शुरूआत अधिसूचना का उत्तर दिया था ।

- (क) वेदांत अल्यूमिनियम लि.
- (ख) हिंडालको इंडस्ट्रीज लि.

(ज) निम्नलिखित एसोसिएशन ने उत्तर दिया है :
एल्यूमिनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया

(ट) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और नियम 6(7) के अनुसार प्राधिकारी ने उसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा ।

(ठ) उन निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों जिन्होंने प्राधिकारी को उत्तर नहीं भेजा है और न ही इस जांच से संगत सूचना प्रस्तुत की है, को असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है ।

(ड) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से जांच अवधि सहित गत तीन वर्ष के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था जो प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे ।

(ढ) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

(ण) हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए प्राधिकारी ने 24 मई, 2011 को सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जिसमें हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे । हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से प्रस्तुत विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने की सलाह दी गई और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विचारों का खंडन करने का अवसर भी प्रदान किया गया था । जांच परिणामों में हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अनुरोधों और खंडन पत्रों की संगत सीमा तक जांच की गई है ।

(त) घरेलू उद्योग और मै. हन्वा केमिकल कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य, शैल ट्रेडिंग (एम. ई.) प्रा. लि. और पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट, एफ जैड ई द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की आवश्यक समझी गई सीमा तक जांच की गई ।

(थ) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार अनिवार्य तथ्यों जो अंतिम जांच परिणाम का आधार होंगे, से ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को अवगत कराया गया । इस संबंध में प्राप्त टिप्पणियों की अंतिम जांच परिणामों में विधिवत जांच की गई है ।

(द) दिनांक 1 अक्टूबर, 2008 से 31 दिसंबर, 2009 तक की अवधि (जिसे जांच अवधि या पी ओ आई भी कहा गया है) के लिए जांच की गई है । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच हेतु अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल, 2007- मार्च, 2008, अप्रैल, 2008-मार्च, 2009 और जांच की अवधि शामिल की गई है ।

(ध) इस अधिसूचना में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमानुसार प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को द्योतित करता है ।

(न) जांच अवधि हेतु विनिमय दर 49.10 रु.= 1 अमरीकी डॉलर मानी गई है ।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

3. मौजूदा मामले में विचाराधीन उत्पाद सऊदी अरब, कोरिया गणराज्य और अमेरिका के मूल का अथवा वहां से निर्यातित "कॉस्टिक सोडा" है । कॉस्टिक सोडा रासायनिक रूप से NaOH कहलाता है । कास्टिक सोडा झागदार, तीखा अल्कलाइन गंधहीन द्रव है जिसका विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में कच्ची सामग्री या सहायक सामग्री के रूप में व्यापक उपयोग किया जाता है । कास्टिक सोडा का उत्पादन दो रूपों-तरल एवं ठोस में किया जाता है । ठोस फ्लैक, प्रिल, दानेदार अथवा किसी अन्य रूप में हो सकता है । कास्टिक सोडा के सभी रूप इस जांच की विषय वस्तु हैं ।

4. कास्टिक सोडा का उपयोग लुग्दी तथा कागज, अखबारी कागज, विस्कोस यार्न तथा स्टेपल फाइबर, एल्युमिनियम, काटन, वस्त्र, टॉयलेट एवं वस्त्र धुलाई साबुन, डिटरजेंट, रंजक पदार्थों, औषधियों तथा भेषजों, वनस्पति पेट्रोलियम शोधन आदि के विनिर्माण में किया जाता है ।

5. कास्टिक सोडा अकार्बनिक रसायन है और यह सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 28 के उपशीर्ष सं. 2815 के अंतर्गत श्रेणीकृत है । तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है ।

6. कास्टिक सोडा का उत्पादन तीन प्रक्रियाओं, डायफाग्राम, मरकरी और मेम्ब्रेन के जरिए किया जाता है । तथापि, प्रत्येक प्रक्रिया से उत्पादित अंतिम उत्पाद में समान भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएं होती हैं ।

घरेलू उद्योग के विचार

7 मौजूदा जांच के मध्यावधि समीक्षा जोच होने के कारण विचाराधीन उत्पाद का दायरा मूल जांच के दायरे के समान होना चाहिए ।

निर्यातक/उत्पादक के विचार

8. महानिदेशक रक्षोपाय जांच केवल लाई पर आधारित थी जबकि पाटनरोधी जांच लाई और फ्लेक्स पर आधारित है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

9. मौजूदा जांच प्रणाली द्वारा पूर्व में की गई सिफारिशों के आधार पर कार्टिक सोडा के आयातों पर पहले से लागू पाटनरोधी शुल्क से संबंधित समीक्षा जांच है । महानिदेशक (रक्षोपाय) के जांच परिणामों में पी यू सी का दायरा पाटनरोधी शुल्क से संबंधित मौजूदा जांच हेतु संगत नहीं है ।

10. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का दायरा मूल जांच के समान ही रहेगा ।

11. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारती उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई विशेष अंतर नहीं है । यद्यपि यह उत्पाद अलग-अलग प्रक्रिया के जरिए बनाया जाता है तथापि, उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं विपणन और वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है । ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । उपभोक्ता इन दोनों का इस्तेमाल एक-दूसरे के स्थान पर कर रहे हैं । इस संबंध में किसी भी विरोधी हितवद्ध पक्षकार ने कोई आपत्ति नहीं जताई है । पाटनरोधी नियमावली के अनुसार याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है ।

घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

12. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

2(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ केवल शेष उत्पादकों के उल्लेख के रूप में निकाला जाएगा "।

13. यह आवेदन अल्कली मैनु. एसो. ऑफ इंडिया (ए एम ए आई) द्वारा दायर की गई थी । यह आवेदन निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों, जिन्होंने संगत सूचना प्रदान की थी, की ओर से एसोसिएशन ने दायर की थी ।

- क. गुजरात अल्कलीज एंड कैमिकल्स लिमिटेड
- ख. ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- ग. डी सी एम श्रीराम कंसोलिडेटेड लिमिटेड
- घ. एस आई ई एल
- ङ. बिहार कौस्टिक एंड कैमिकल्स लिमिटेड

14. निम्नलिखित कंपनियों ने ए एम ए आई द्वारा दायर याचिका का समर्थन किया ।

- क. रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- ख. कनोरिया कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- ग. गुजरात फ्लूरोकैमिकल्स लिमिटेड
- घ. सोलजीज कैमटैक लिमिटेड
- ङ. डी सी डब्ल्यू लिमिटेड
- च. जयश्री कैमिकल लिमिटेड

15. जांच शुरुआत के बाद सोलारिस कैमटैक लि. और डी सी डब्ल्यू लि. ने भी क्षति सूचना प्रदान की। तथापि, मौखिक सुनवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों ने जांच शुरुआत के बाद उक्त दोनों घरेलू उत्पादकों द्वारा सूचना जोड़ने पर आपत्ति व्यक्त की और प्राधिकारी से क्षति निर्धारण हेतु उनकी सूचना पर विचार न करने का अनुरोध किया । विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाई गई आपत्तियों को देखते हुए और इस तथ्य पर विचार करते हुए कि उक्त दोनों कंपनियों द्वारा क्षति संबंधी सूचना विलंब से दी गई थी। प्राधिकारी ने डी सी डब्ल्यू लि. और सोलारिस लि. द्वारा प्रस्तुत सूचना पर विचार न करने का निर्णय लिया और हितबद्ध पक्षकारों को इसकी सूचना दी ।

16. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत के दौरान अपने क्षति संबंधी आंकड़े उलब्ध कराने वाली कंपनियों का कुल भारतीय उत्पादन में प्रमुख हिस्सा है । इसलिए याचिका नियमों के अंतर्गत स्थिति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करती है । इसके अतिरिक्त भाग लेने वाली कंपनियों नियमों के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" हैं ।

17. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता ने प्रत्येक मामले में घरेलू उद्योग के संघटन में परिवर्तन किया है । प्राधिकारी पाते हैं कि कानून के अंतर्गत इस संबंध में कोई बाधा नहीं है । न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने यह स्थापित किया है कि इससे वर्तमान जांच में किसी प्रकार का पूर्वाग्रह आया है ।

ङ गोपनीयता

18. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता संबंधी दावों की जांच की और गोपनीयता के दावे से संतुष्ट होने पर उसकी अनुमति दी गई है ।

च. अभ्यावेदन एवं उठाए गए मुद्दे

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है :-

| कंपनी का नाम | दर्जा |
|-----------------------------------------|----------|
| हन्हवा कैमिकल कार्पोरेशन, कोरिया जन.गण. | उत्पादक |
| ट्राइकॉन एनर्जी लि., अमरीका | निर्यातक |
| सदफ, सऊदी अरब | उत्पादक |
| शैल ट्रेडिंग (एम.ई.) प्रा.लि., यू ए ई | व्यवसायी |
| पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट, एफजैडई, यू ए ई | निर्यातक |

20. इसके अतिरिक्त मै. हिंडालको इंडस्ट्रीज लि. और वेदान्ता अल्युमिनियम लि. ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर दिया है और वर्तमान जांच के संगत सूचना प्रस्तुत की है ।

21. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदनों पर वर्तमान जांच परिणामों के उपयुक्त ध्यान दिया गया/जांच की गई है ।

छ. हितबद्ध पक्षकारों की प्रकटन पश्चात टिप्पणियां :

22. हितबद्ध पक्षकारों की प्रकटन पश्चात टिप्पणियां निम्नानुसार हैं :-

- (i) याचिकाकर्ता की स्थिति एवं घरेलू उद्योग के दायरे, देशों के समूहीकरण, समूह के विघटन और पुनः समूहीकरण, क्लोरीन की कम मांग, बढ़ाकर बताए गए आयात संबंधी आंकड़ों के संबंध में तर्क दोहराए गए हैं ।
- (ii) प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए अपर्याप्त समय प्रदान किया गया ।
- (iii) परिकलित सामान्य मूल्य को प्रकट किया जाना चाहिए ।
- (iv) निर्यात की समग्र श्रृंखला विनिर्दिष्ट की जानी चाहिए : सदफ एस टी एम ई-पेट्रोकेम मध्य-पूर्व ।
- (v) निर्यातकों ने विचाराधीन उत्पाद, घरेलू उद्योग के चयन, भौगोलिक असंतुलन, क्लोरीन को सह-उत्पाद मानने, आयात आंकड़ों में अंतर, लाई एवं फ्लेक के समान उत्पाद न होने, तिा अन्य देशों से आयात से क्षति होने संबंधी अपने अभ्यावेदनों को दाहराया है ।
- (vi) हन्हवा कार्पोरेशन हन्हवा कैमिकल, हन्हवा कैमिकल कार्पोरेशन से संबंधित निकाय है । दोनों कंपनियां हन्हवा ग्रुप का हिस्सा हैं । निर्यात बिक्रियां व्यवसायी कंपनियों के जरिए की जाती हैं । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उस बिचौलियां निकाय के लिए अलग पाटन मार्जिन प्रदान किया है जिसके जरिए आयात किए गए थे ।
- (vii) घरेलू उद्योग द्वारा क्षति रहित कीमत से अधिक कीमत पर बिक्री की जा रही है ।
- (viii) कारणात्मक संबंध: संबद्ध देशों के अनिश्चित तरीके से समूहीकृत करने का परिणाम सऊदी अरब, ईरान, जापान, अमेरिका और फ्रांस की निर्णायक समीक्षा के विरोधाभासी एवं विकृतिकारी विश्लेषण के रूप में होगा ।

- (ix) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने क्षतिरहित कीमत के निर्धारण में कच्ची सामग्री आदि जैसे कुछेक सम्पदों का सही ढंग से अनुपालन किया । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लगाई गई पूंजी पर आय के परिकलन हेतु अपनाई गई पद्धति को प्रकट नहीं किया ।
- (x) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने फ्लेक्स और लाई के लिए अलग-अलग क्षतिरहित कीमत परिकलित की है । दोनों ग्रेडों के लिए अलग-अलग शुल्कों की संस्तुति का कोई औचित्य नहीं है । पाटन मार्जिन का परिकलन विचाराधीन उत्पाद के अंतर्गत निर्धारित पद्धति से किया गया है और अमुरोध है कि क्षति विश्लेषण के लिए भी उसी पद्धति का प्रयोग किया जाना चाहिए ।
- (xi) आयातकों ने घरेलू उद्योग के दायरे, देशों के समूहीकरण, समूह के विघटन और पुनः समूहीकरण, बढ़ाकर बनाए गए आयात संबंधी आंकड़ों, कीमत में गिरावट तथा क्लोरीन की कम मांग के कारण कम उत्पादन एवं उत्पादन क्षमता, जांच अवधि के चयन, वस्तुओं की आपूर्ति में घरेलू उद्योग की असफलता, भारत में विद्युत की उच्च लागत, पाटन मार्जिन के परिकलन संबंधी अपने तर्कों को दोहराया है ।
- (xii) संयुक्त राज्य अमेरिका पर लगाए गए पाअनरोधी शुल्क को वापस लिए जाने की आवश्यकता है और कोई कारणात्मक संबंध नहीं है ।

याचिकाकर्ता की प्रकटन प्रश्नात टिप्पणियां

- (i) कोरिया में हन्हवा केमिकल कॉर्पोरेशन की घरेलू कीमत इतनी कम नहीं हो सकती है कि इसका परिणाम नकारात्मक पाटन मार्जिन के रूप में हो ।
- (ii) याचिकाकर्ता को संदेह है कि निर्यातक द्वारा पर्याप्त रूप से आंकड़े प्रकट नहीं किए गए हैं । इसके अतिरिक्त यह संभव है कि आंकड़ों में संबंधित पक्षकारों की बिक्री शामिल हो जो गैर-संबंधित पक्षकारों को बिक्री कीमत से काफी कम कीमत पर हो ।
- (iii) समग्र बिक्री चैनल के व्यय को घटाना चाहिए । चूंकि हन्हवा कॉर्पोरेशन भारत को निर्यात सौदों में शामिल है, इसलिए निर्यात कीमत में कॉर्पोरेशन के भारतीय कार्यालय के एस जी ए एवं लाभ का समायोजन किया जाना चाहिए ।
- (iv) चूंकि हन्हवा कॉर्पोरेशन ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है, इसलिए बिक्री चैनल अपूर्ण है ।
- (v) क्षतिरहित कीमत का सही निर्धारण नहीं किया गया है ।
- (vi) जहां तक शुल्क के रूप का संबंध है, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण नियत रूप में ही किया जाना चाहिए ।
- (vii) याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि प्राधिकारी द्वारा आबद्ध निविष्टियों पर उनके बाजार मूल्य पर विचार किया जाए ।
- (viii) क्षतिरहित कीमत के निर्धारणार्थ वर्तमान बाजार मूल्य पर सकल अचल परिसंपत्तियों या वैकल्पिक रूप से निवल अचल परिसंपत्तियों पर विचार किया जाना चाहिए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

23. प्राधिकारी ने उपर्युक्त मुद्दों की निम्नानुसार जांच की है :-

- (i) जहां तक देशों के समूहीकरण, समूह विघटन और पुनः समूहीकरण और विभिन्न जांचों में याचिकाकर्ता के बदलते हुए संघटन का संबंध है, प्राधिकारी पाते हैं कि कानून/नियमों में इसकी मनाही नहीं है । बढ़ा कर बताए गए आयात आंकड़ों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस

जांच परिणाम में विधिवत संशोधित एवं युक्तियुक्त बनाए गए आई बी आई एस आंकड़ों पर विचार किया गया है। क्षति विश्लेषण में क्लोरीन कारक के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितब पक्षकारों द्वारा रखे गए लागत संबंधी रिकॉर्डों के अनुसार क्लोरीन को सह/संयुक्त उत्पाद माना गया है। संबद्ध उत्पाद के संबंध में इससे पूर्व की गई सभी पूर्ववर्ती जांचों में प्राधिकारी की लगातार यही प्रथा रही है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस संबंध में सेस्टेट के आदेश के विरुद्ध माननीय उच्चतम न्यायालय में अपील की गई है और माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा इस मामले पर स्थगन आदेश दिया गया है।

- (ii) सऊदी अरब के संबंध में सामान्य मूल्य का परिकलन कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत और रिकॉर्ड में उपलब्ध सर्वाधिक कुशल खपत के मानदंड और परिवर्तन लागत के आधार पर किया गया है। कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु इस प्रकार परिकलित उत्पादन लागत में 5 प्रतिशत लाभ जोड़ा गया है।
- (iii) सीमित समयावधि को देखते हुए प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त समय दिया गया था। दिया गया समय किसी भेदभाव के बिना सभी हितबद्ध पक्षकारों के लिए एक समान है।
- (iv) प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछेक मामलों में निर्यात सौदे एक श्रृंखला में हुए हैं। तदनुसार, व्यापारियों सहित विभिन्न मध्यवर्ती कंपनियों के स्तर पर हुए व्यय हेतु सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के निर्धारण में विधिवत परिकलन/समायोजन किया गया है, तथापि शुल्क तालिका में पूरी श्रृंखला को दर्शाया गया है।
- (v) विचाराधीन उत्पाद, घरेलू उद्योग के चयन, भौगोलिक असंतुलन, क्लोरीन को सह-उत्पाद मानने, आयात आंकड़ों में अंतर, लाई एवं फ्लैक के समान उत्पाद न होने और अन्य देशों से आयातों के कारण हो रही क्षति से संबंधित मुद्दों की प्रकटन विवरण में विधिवत जांच की गई है। जहां तक आयात आंकड़ों में अंतर का संबंध है, प्राधिकारी ने विद्यमान कीमत/डीएमटी के आधार पर डी एम टी के रूप में मात्रा निकालने के लिए मात्रा से संबंधित मूल्य आई बी आई एस आंकड़ों के योजितकीकरण के बाद आई बी आई एस द्वारा सूचित आंकड़ों पर विचार किया गया है। इस संबंध में उल्लेख किया जाता है कि चार देशों अर्थात् कोरिया गण., जापान, ताइवान एवं थाइलैंड के संबंध में मूल आई बी आई एस आंकड़ों से अवास्तविक एवं बहुत कम प्रति इकाई कीमत प्रदर्शित हुई थी जिससे यह संकेत मिला था कि आई बी आई एस द्वारा सूचित इन देशों की मात्रा डी एम टी के बजाए एल एम टी में थी। अतः उक्त देशों के संदर्भ में आयात मात्राओं में सुधार/योजितकीकरण अपेक्षित था। तदनुसार, 371, 157 डी एम टी की कुल आयात मात्रा आई बी आई एस आंकड़ों के आधार पर निकाली गई है।
- (vi) क्षति मापदंडों के अंतर्गत लाई और फ्लैक हेतु लाभप्रदता अलग-अलग निर्धारित की गई है और संबद्ध वस्तु के दोनों रूपों में लाभप्रदता में गिरावट आई है।
- (vii) यह निवेदन कि निवल बिक्री कीमत क्षतिरहित कीमत से अधिक है, पूरी तरह से गलत है।
- (viii) लगाई गई पूंजी पर आय सहित क्षतिरहित कीमत के निर्धारण हेतु अपनाई गई पद्धति प्रकटन विवरण के अनुबंध-IV में दी गई है।
- (ix) कोरिया में हन्हवा केमिकल कॉर्पोरेशन की घरेलू बिक्री कीमत तथा उस पर समायोजनों का कंपनी द्वारा रखे गए संगत रिकॉर्डों से विधिवत सत्यापन किया गया है। प्राधिकारी घरेलू बिक्री कीमतें विधिवत सत्यापित आंकड़ों के आधार पर ली हैं। जहां तक हन्हवा केमिकल कॉर्पोरेशन के संबंधित पक्षकारों को संभावित घरेलू बिक्री का संबंध है, यह नोट किया

- गया है कि मात्रा के रूप में कुल घरेलू बिक्री की तुलना में संबंधित पक्षकारों के लिए बिक्री कीमतें गैर संबंधित पक्षकारों की बिक्री कीमतों की ही रेंज में पाई गई हैं।
- (x) निर्यात निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने निर्यात श्रृंखला के प्रत्येक चैनल में हुए व्यय हेतु उपयुक्त समायोजन किए हैं। इसे इस जांच परिणाम में उपयुक्त स्थानों पर भी उपयुक्त रूप से दर्शाया गया है।
- (xi) हन्हवा कॉर्पोरेशन वर्तमान मामले में संबद्ध वस्तु का न तो उत्पादक है और न ही निर्यातक। वह केवल हन्हवा केमिकल कॉर्पोरेशन (एच सी सी) जो संबद्ध वस्तु का उत्पादक है, की व्यवसायी शाखा है। भारत को निर्यात सौदे ट्राइकॉन एनर्जी लि., अमेरिका की ओर से किए गए हैं। एच सी सी (उत्पादक) और ट्राइकॉन एनर्जी लि. (निर्यातक) दोनों ने अपेक्षित प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। अतः निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत न करने से बिक्री चैनल अधूरा नहीं रह जाता है।
- (xii) प्राधिकारी द्वारा क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) का निर्धारण लागू पाटनरोधी नियमों के आधार पर किया गया है। एन आई पी के विवरण में दर्शाया गया है।

छ. पाटन एवं पाटन मार्जिन

24. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क (1) (ग) के अनुसार निर्यातक देशों में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निम्नलिखित को आधार बनाया जाएगा।

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-
- (क) सामान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
- (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

किंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु का निर्यात के देश से होकर केवल यानान्तरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संबंध में किया जाएगा।"

सामान्य मूल्य सऊदी अरब

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक उत्पादक/निर्यातक अर्थात् सदफ ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। तथापि, निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में चूक पाई गई है क्योंकि उसमें अपने गृह बाजार की बिक्री जो सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण है, के संबंध में सूचना देते हुए परिशिष्ट-1 में शामिल नहीं किया गया है। तथापि, सदफ के उत्तर के परिशिष्ट-3 में प्रचालनात्मक सांख्यिकी में घरेलू बाजार कॉलम के अंतर्गत एस ए बी आई सी बिक्री की सूचना दी गई है और एस ए बी आई से प्राधिकारी को कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। सदफ के उत्तर में परिशिष्ट-1 के अभाव में प्राधिकारी गृह बाजार बिक्री के आधार पर सदफ हेतु बाजार मूल्य का निर्धारण करने की स्थिति में नहीं हैं। दूसरी ओर सदफ ने अपनी उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण का अनुरोध किया है। तथापि, कानून के अंतर्गत उद्गम के देश में उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है जबकि निर्यातक देश के घरेलू बाजार में समान वस्तु की बिक्री की सूचना परिशिष्ट-3 में दी गई हो। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सदफ से उनकी घरेलू बाजार में बिक्री और उनके द्वारा प्रस्तुत परिशिष्ट-3 तथा उनके प्रस्तुतिकरणों में प्रत्यक्ष विरोधाभास के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया था। तथापि, इस संबंध में सदफ की ओर से कोई स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं हुआ है। दूसरी ओर हैरीमेन केमसल्ट पब्लिकेशन जिस पर प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में अन्य संबद्ध देशों के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में विश्वास करने का प्रस्ताव किया है, के पास सऊदी अरब के लिए संबद्ध वस्तु का घरेलू बाजार कीमत के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर सऊदी अरब के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। अतः *** अम.डॉ. सामान्य शुल्क निर्धारित किया गया है।

अमेरिका

26. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अमेरिका के किसी भी उत्पादक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। अतः प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध सूचना पर विश्वास किया है। प्राधिकारी उत्तर अमेरिका सहित विभिन्न देशों/क्षेत्रों के घरेलू बाजारों में कॉस्टिक सोडा की मौजूदा कीमतों के विश्वसीय संकेतक के रूप में क्लोर एल्कली (हैरीमेन केमसल्ट द्वारा प्रकाशित) में सूचित कीमत पर विचार करने का प्रस्ताव करते हैं। तदनुसार प्राधिकारी क्लोर एल्कली की कीमत सूचना को अंगीकार करते हैं और अमेरिका के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए *** अम.डॉ./डी एम टी सामान्य मूल्य निर्धारित करते हैं।

कोरिया गण.

मै. हन्हवा केमिकल कार्पोरेशन (एच सी सी)

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक उत्पादक/निर्यातक अर्थात् मै. हन्हवा केमिकल कार्पोरेशन (एच सी सी) ने अन्य के साथ-साथ अपने गृह बाजार में बिक्री तथा उसमें परिवहन लागत, ऋण लागत, बीमा एवं छूट के लिए समायोजन की सूचना देते हुए निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है। गृह बाजार बिक्रियों से संबंधित एच सी सी के उत्तर में परिशिष्ट 1 का विधिवत सत्यापन किया गया है और प्राधिकारी ने पाया है कि जांच अवधि के दौरान गृह बाजार में 5,29,290 मी.ट. संबद्ध वस्तु की बिक्री की गई है और प्रति इकाई बीजक मूल्य *** अम.डॉ./डीएमटी है। अंतर्देशीय

भाड़ा, बीमा, छूट और ऋण लागत के कारण दावा किए गए *** अम.डॉ./डी एम टी के कुल समायोजन का सत्यापन किया गया है। तदनुसार, मै. हन्वा केमिकल कार्पोरेशन (एच सी सी) के लिए कारखाना द्वार स्तर पर घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य *** अम.डॉ./डीएमटी निर्धारित किया गया है।

असहयोगी उत्पादक/निर्यातक

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया गण. के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। अतः कोरिया गण. की शेष श्रेणी के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर किया गया है। इस संबंध में प्राधिकारी द्वारा कोरिया गण. विचार किया गया है।

तदनुसार, प्राधिकारी ने क्लोर अल्कली से प्राप्त कीमत संबंधी सूचना को अपनाया है और कोरिया जन.गण. सहित विभिन्न देशों/क्षेत्रों के घरेलू बाजारों में कॉस्टिक सोडा की मौजूदा कीमतों के विश्वसीय संकेतक के रूप में क्लोर एल्कली (हैरीमन केमसल्ट द्वारा प्रकाशित) में सूचित कीमत परके सभी उत्पादकों/निर्यातकों हेतु *** अम. डॉ./डी एम टी के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

निर्यात कीमत

कोरिया जन.गण.

मै. हन्वा केमिकल कार्पोरेशन (एच सी सी) तथा ट्राईकॉन एनर्जी लि., अमरीका के लिए निर्यात कीमत

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. हन्वा केमिकल कार्पोरेशन (एच सी सी) ने ट्राईकॉन एनर्जी लि. अमरीका, जिन्होंने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। भारत को किए जाने वाले निर्यात की निर्यात चेन में एच सी सी, कोरिया जनगण.-हन्वा कॉर्पोरेशन, कोरिया जन.गण.-ट्राईकॉन एनर्जी लि., अमरीकी-भारतीय उपभोक्ता शामिल थे। *** डी एम टी मात्रा के सभी निर्यात सौदे हन्वा कॉर्पोरेशन के जरिए तथा अंततः ट्राईकॉन एनर्जी लि. जिन्होंने भारत में उपभोक्ताओं के लिए वस्तु सूचियां तैयार की हैं, के माध्यम से किए गए हैं। सौदों का मूल्य तथा पूर्वोक्त निर्यात चेन के प्रत्येक स्तर पर वहन किए गए व्यय को निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विधिवत रूप से सत्यापित कर लिया गया है और उपयोग में लाया गया है। प्राधिकारी ने भारत के लिए ट्राईकॉन की बीजक कीमत को निर्यात की आधार कीमत के रूप में अपनाया है। निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए निम्नलिखित समायोजनों पर विचार किया गया है :-

(क) ट्राईकॉन एनर्जी द्वारा वहन किए गए समुद्री भाड़ा (दो सौदों में), बैंक प्रभार तथा बिक्री खर्च (*** अम.डॉ./डी एम टी) से संबंधित खर्च।

(ख) निर्यात चेन में हन्वा कॉर्पोरेशन का मार्जिन (*** अम.डॉ./मी.ट.)

(ग) हन्वा केमिकल कार्पोरेशन द्वारा वहन किए गए ऋण, प्रहस्तन, बीमा तथा विदेशी भाड़ों से संबंधित समायोजन ।

अतः एच.सी.सी. (उत्पादक) तथा ट्राईकॉन (निर्यातक) के लिए निवल निर्यात कीमत को *** अम.डॉ./डी.एम.टी. के रूप में निर्धारित किए जाने का प्रस्ताव किया गया है ।

असहयोगी निर्यात कीमत

30 श्रेणी के निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातक द्वारा भारत के साथ किए जाने वाले निर्यात सौदों के न्यूनतम बीजक मूल्य अर्थात् *** अम.डॉ./डी.एम.टी. के आधार पर निर्यात कीमत (सी आई एफ) का निर्धारण करने का प्रस्ताव किया है । निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु सहयोगी निर्यातकों के मामले में यह दावा किए गए तथा यथासत्यापित समायोजनों पर विचार करने का प्रस्ताव किया गया है । अतः कोरिया जन.गण. के असहयोगी निर्यातकों के लिए कारखाना द्वार स्तर पर *** अम.डॉ./डी.एम.टी. निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है ।

अमरीका

31 यह नोट किया गया है कि मै. ट्राईकॉन एनर्जी लि. के अतिरिक्त किसी भी अन्य निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । अतः मै. ट्राईकॉन एनर्जी लि. के अतिरिक्त अमरीका के सभी निर्यातकों के लिए आई बी आई एस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर *** अम.डॉ./डी.एम.टी. निर्यात कीमत (सी आई एफ) के निर्धारण का प्रस्ताव किया गया है । मै. ट्राईकॉन एनर्जी लि. अमरीका के उत्तर से प्राप्त सूचना के अनुसार समुद्री भाड़ा तथा बैंक प्रभारों हेतु *** अम.डॉ./डी.एम.टी. के समायोजनों पर कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विचार करने का प्रस्ताव किया गया है । अतः मै. ट्राईकॉन एनर्जी लि. के अतिरिक्त अमरीका के सभी निर्यातकों के लिए *** अम.डॉ./डी.एम.टी. के निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है ।

सऊदी अरब

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सदफ सऊदी अरब में संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है जिन्हें शेल ट्रेडिंग मिडिल ईस्ट इंटरप्राइजेज (एस टी एम ई), दुबई तथा पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट, एफ जैड ई, दुबई के माध्यम से भारत को निर्यात किया जाता है । पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट एफ जैड ई ने भारतीय उपभोक्ताओं हेतु मालसूची तैयार की है । भारत को होने वाले निर्यात हेतु निर्यात चैन में सदफ-एस टी एम ई-पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट - भारतीय उपभोक्ता शामिल हैं । उक्त चैन द्वारा भारत को की गई निर्यात बिक्री पर निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है । निवल निर्यात कीमत के निर्धारणार्थ बीमा, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा तथा ऋण लागत, जिसका जोड़ *** अम.डॉ./डी.एम.टी. बनता है, हेतु पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट द्वारा वहन किए गए खर्च को समायोजित किया गया है । इसके अलावा, पेट्रोकेम, मिडिल ईस्ट के जारी किए गए ऋण पत्रों के कारण एस टी एम ई द्वारा उठाए गए खर्च तथा कुल *** अम.डॉ./डी.एम.टी. के विपणन शुल्क को निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु समायोजित किया गया है । अतः निवल निर्यात कीमत (कारखाना द्वार स्तर पर) का निर्धारण *** अम.डॉ./डी.एम.टी. के रूप में किया गया है ।

असहयोगी निर्यातक

विचार पद्धतियाँ

33. श्रेणी के निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातक द्वारा भारत के साथ किए जाने वाले निर्यात सौदों के न्यूनतम बीजक मूल्य अर्थात् *** अम.डॉ./डी एम टी के आधार पर निर्यात कीमत (सी आई एफ) का निर्धारण करने का प्रस्ताव किया है। निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु सहयोगी निर्यातकों के मामले में यह दावा किए गए तथा यथासत्यापित समायोजनों पर विचार करने का प्रस्ताव किया गया है। अतः कोरिया जन.गण. के असहयोगी निर्यातकों के लिए कारखाना द्वार स्तर पर *** अम.डॉ./डी एम टी निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है।

पाटन मार्जिन

34. पूर्वोक्त सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत (दोनों ही कारखाना द्वार स्तर पर हैं) की तुलना के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

| देश | उत्पादक/ निर्यातक | सामान्य मूल्य अम.डॉ./डीएमटी | निवल निर्यात कीमत अम.डॉ./डीएमटी | पाटन मार्जिन अम.डॉ./डीएमटी | पाटन मार्जिन रेंज (%) |
|------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------|---------------------------------------|-------------------------------|--------------------------|
| कोरिया जन.गण. | हन्वा केमिकल कार्पोरेशन (उत्पादक)-हन्वा कार्पोरेशन ट्राइकॉन एनर्जी लि. (निर्यातक) | *** | *** | (***) | (10-20) |
| | कोई अन्य संयोजन | *** | *** | *** | 50-60 |
| सऊदी अरब | सदफ (उत्पादक)- एस टी एम ई पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट एफ जैड ई, दुबई, यू ए ई (निर्यातक) | *** | *** | *** | 20-35 |
| | कोई अन्य संयोजन | *** | *** | *** | 50-60 |
| अमरीका | सभी उत्पादक/निर्यातक | *** | *** | *** | 70-80 |

ज. क्षति

घरेलू उद्योग के विचार

35. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि सऊदी अरब, कोरिया जन.गण. तथा अमरीका से प्राप्त संबद्ध वस्तुओं से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है जैसा कि निम्नलिखित तथ्यों से विदित है :

क. प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मा मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है;

ख. देश में उत्पाद का मांग में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री में वर्ष 2007-08 में वृद्धि के पश्चात समान अवधि में ऋणात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।

इसके परिणामस्वरूप क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है ।

- ग. भारत में कुल आयातों, उत्पादन तथा खपत के संबंध में आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।
- घ. संबंध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में वर्तमान जांच अवधि में समग्र अर्थों में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।
- ङ. भारत औसत आयात कीमत (आधारभूत सीमाशुल्क को शामिल करने के बाद) घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से अत्यधिक कम रही है । इसके परिणामस्वरूप कीमत कटौती हुई है ।
- च. मांग में निरंतर वृद्धि प्रदर्शित हुई है । घरेलू उद्योग की बिक्री और तत्पश्चात उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में एक सीमा तक बढ़ती हुई मांग का प्रभाव परिलक्षित होता है । तथापि, उद्योग ने बाजार हिस्सा गंवाया है । स्पष्टतः बिक्री में वृद्धि भारत में उत्पाद की मांग में वृद्धि के अनुरूप नहीं है । मांग में वृद्धि के साथ घरेलू उद्योग की बिक्री 1102118 मी.ट. होनी चाहिए । स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग ने 105960 मी.ट. की बिक्री गंवाई है, जो अत्यधिक है ।
- छ. क्षति अवधि के दौरान कंपनी की लाभप्रदता में गिरावट आई थी और यह जांच अवधि के दौरान ऋणात्मक थी । पाटनरोधी शुल्क लागू करने के बावजूद, घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हो रहा है;
- ज. कीमत कटौती से बाजार में कीमत ह्रास तथा कीमत अवमूल्यन की स्थिति बन गई है । जबकि उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है तथा बिक्री कीमतों में गिरावट आई है ।
- झ. कर पूर्व ब्याज भी ऋणात्मक है । दूसरे शब्दों में घरेलू उद्योग अपनी व्यय लागतों को पूरा करने में असमर्थ है;
- ञ. जांच अवधि के दौरान नकद लाभ में अत्यधिक गिरावट आई है ।
- ट. निवेश पर आय में अत्यधिक गिरावट आई है तथा यह जांच अवधि के दौरान ऋणात्मक थी ।

आयातकों, निर्यातकों तथा उपयोक्ताओं के अनुरोध

36. संबंध वस्तुओं के विभिन्न आयातकों, निर्यातकों तथा उपयोक्ताओं द्वारा निम्नलिखित तर्क दिए गए हैं ।

(i) नियम 23 के अंतर्गत समीक्षा करने का अधिकार नहीं है

मध्यावधि समीक्षा हेतु याचिका तथा ऐसी याचिका के आधार पर मध्यावधि समीक्षा शुरू करना कानूनी तौर पर मान्य नहीं है क्योंकि नियम 23(1) के साथ पठित धारा 9क(5) में मध्यावधि समीक्षा का प्रावधान ऐसे मामलों के लिए किया गया है जिनमें परिस्थितियों में परिवर्तन हुआ हो जिसके कारण लागू शुल्क को कम करने अथवा समाप्त करने की सिफारिश किए जाने की आवश्यकता हो ।

(ii) प्रस्तुत आवेदन के दो रूपांतरण

सार्वजनिक फाइल का सत्यापन करने पर यह पाया गया कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आवेदनों के दो रूपांतरण मौजूद हैं । यह ज्ञात नहीं हो पाया है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत रूपांतरण कौन सा है जिसके आधार पर जांच शुरू की गई थी ।

- (iii) उन देशों का समूहन, अ-समूहन तथा पुनर्समूहन जो कानून के अंतर्गत अवधारित नहीं हैं
मूल जांच, मध्यावधि समीक्षा अथवा निर्णायक समीक्षा जांच में विभिन्न देशों का समूहन, अ-समूहन तथा पुनर्समूहन नियम 19 का उल्लंघन करता है क्योंकि वह विभेदकारी प्रकृति का है। यदि एमआईपी को परिवर्तित किया जाता है तो सभी देशों के लिए क्षति मार्जिन परिवर्तित हो जाएगा।
- (iv) समीक्षा में अविवेकपूर्ण ढंग से शुल्क के स्वरूप को परिवर्तित नहीं किया जा सकता है
- (v) डी जी ए डी द्वारा डी जी रक्षोपाय के जांच परिणामों पर विचार नहीं किया जाता है

मध्यावधि समीक्षा शुरू करने से पहले डी जी ए डी ने डी जी (रक्षोपाय) के जांच परिणामों पर विचार नहीं किया है अन्यथा मध्यावधि जांच शुरू नहीं की जाती। उन्होंने अंतिम जांच परिणाम जारी करने से पूर्व इस पर विचार करने का अनुरोध किया था। उन्होंने निवेदन किया था कि डी जी (रक्षोपाय) ने इस निष्कर्ष पर पहुंचने के पश्चात कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है, किसी शुल्क की सिफारिश नहीं की है। उन्होंने इस संबंध में डी जी (एस) के अंतिम जांच परिणाम के कुछेक विशिष्ट पैराओं को उद्धरित किया है।

- (vi) याधिका में आयात आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत किया गया है:

घरेलू उद्योग ने आयात आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत किया है जैसा कि घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि ने भी सार्वजनिक सुनवाई के दौरान स्वीकार किया है।

- (vii) निर्यात कीमत को अत्यधिक कम सतर पर दर्शाया गया है

यद्यपि, निर्यात कीमतों में काफी वृद्धि हुई है परंतु जांच अवधि के त्रुटिपूर्ण चयन के कारण उसे अत्यधिक कम सतर पर दर्शाया गया है।

- (viii) घरेलू उद्योग को क्षति

घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है क्योंकि अधिकांश आर्थिक कारकों में जांच अवधि के दौरान उल्लेखनीय सुधार प्रदर्शित हुआ है। लाभ, क्षमता, क्षमता उपयोग, कीमतों, रोजगार इत्यादि में वृद्धि हुई है।

- (ix) क्षति के अन्य कारक

- क्लोरीन की कीमतों में गिरावट की प्रवृत्ति के कारण क्षमता उपयोग में गतिरोध।
- क्लोरीन की कीमतों में गिरावट का रेंज 50% से 70% के बीच में है जिससे उत्पादन अवश्य प्रभावित हो रहा होगा। यह एक स्वीकृत तथ्य है कि जब 1 मी.टन कौस्टिक सोडा का उत्पादन किया जाता है तो 0.89 मी.टन क्लोरीन का भी उत्पादन होता है जो लगभग समान मात्राएं हैं। शुरुआत से ही क्लोरीन के लिए प्राप्त कीमत अत्यधिक कम थी जिसमें आगे भी काफी हद तक

गिरावट आई, जैसा कि ऊपर दर्शाया गया है। कोई भी विवेकपूर्ण उद्योग ऐसे उत्पाद का उत्पादन नहीं करेगा जिसकी कीमतों में इतनी तीव्र दर पर गिरावट आ रही हो।

- क्लोरीन की कम मांग के कारण उत्पादन में बाधा : वार्षिक रिपोर्टों में यह स्वीकार किया गया है कि बाजार में क्लोरीन की मांग अत्यंत मंद है जिसके परिणामस्वरूप कुल खरीद अत्यधिक कम है जिसके कारण आगे उत्पादन क्षमता का अत्यंत कम उपयोग होता है। आगे इस बात पर पुनः जोर दिया गया है कि क्लोरीन के उत्पादन, भंडारण, भंडारण क्षमता, बिक्री तथा कुल खरीद से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराए जाएं ताकि इस संबंध में कोई उपयोगी टिप्पणी की जा सके। किसी भी सरत में डी जी ए डी द्वारा किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले इस पहलू का बखूबी विश्लेषण किया जाना चाहिए।
- इसके अलावा घरेलू कंपनियों द्वारा उठाई गई कठिनाइयां कथित पाटन के कारण नहीं बल्कि अन्य कारणों की वजह से हैं जैसा कि स्वयं कंपनियों द्वारा अपनी-अपनी वार्षिक रिपोर्टों में दर्शाया गया है। स्पष्टतः केवल एस आई ई एल ही अन्य घरेलू उत्पादकों से पीछे है जिसका कारण सितंबर, 2009 में समाप्त वर्ष के लिए उनकी वार्षिक रिपोर्ट में दर्शाया गया है। ये कारण निम्नानुसार हैं :-
 - i. "अप्रैल से सितंबर, 2009 की अवधि के दौरान, पंजाब राज्य विद्युत निगम से विद्युत की कम उपलब्धता के कारण संयंत्र का प्रचालन कम क्षमता पर किया गया"
 - ii. बेशी उपलब्धता तथा अंतिम प्रयोक्ता खंडों में मांग में उतार-चढ़ाव के कारण क्लोरीन दबाव में बना रहेगा।"
 - iii. "क्लोरीन की कम मांग से देश में कॉस्टिक सोडा का उत्पादन और उसकी उपलब्धता सीमित हो जाएगी।"
 - iv. उत्तर भारत में क्लोरीन की कीमतें दबाव में रहेंगी क्योंकि मांग सीमित है और क्लोरीन का उपयोग करने वाले प्रमुख खंड केवल सी पी डब्ल्यू एवं क्लोरीन हैं।"
- इसी प्रकार आदित्य विड़ला ग्रुप कंपनी ने भी अपने वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष 2009-10 के दौरान आई समस्याओं तथा जोखिमों का विवरण दिया है। इसमें निम्नानुसार उल्लेख है :-
 - i. आधारभूत कच्ची सामग्री अर्थात् नमक एवं कोयले की लागत में वृद्धि
 - ii. संशोधित एफ एस ए में कोयले की मात्रा में भारी कमी
 - iii. कॉस्टिक सोडा के आयात का खतरा
 - iv. बंद (हड़ताल) तथा उग्रवादी गतिविधियों की बारम्बारता जिससे वस्तुओं की आवाजाही तथा उत्पादकता प्रभावित होती हैं।
 - v. क्षेत्र में क्लोरीन तथा एच सी एल के लिए अपर्याप्त बाजार जिसके परिणामस्वरूप उसकी संभारतंत्र लागत उच्च हो जाती है।

- ग्रासिम ने अपनी वर्ष 2009-10 की वार्षिक रिपोर्ट में अपनी चिन्ताएं निम्नानुसार व्यक्त की हैं :

- i. सस्ते आयातों के साथ नई क्षमता को जोड़े जाने के कारण कास्टिक सोडा की कीमतों का दबाव में रहने की संभावना है ।
- ii. वित्तीय वर्ष 10-11 की पहली तिमाही में जल की कमी के कारण मानसून आने तक उत्पादन में कटौती होगी ।

यदि इन कारकों पर विचार किया जाता है तो इससे केवल एक संभावित परिणाम निकलेगा कि घरेलू उद्योग द्वारा सामना किए जा रहे किसी क्षति अथवा समस्या उसकी अंतर्निहित समस्या है न कि आयातों के कारण, जैसे कि याचकाकर्ता, गलत तरीके से दावा किया गया है ।

(x) भौगोलिक असंतुलन

संबद्ध वस्तुओं की मांग और आपूर्ति के बीच गंभीर भौगोलिक असंतुलन है । कास्टिक सोडा का अधिकांश उत्पादक पश्चिमी तट पर अब स्थित हैं जबकि अधिकांश उपभोक्ता अर्थात् एल्युमिनियम खदान उद्योग पूर्वी तट पर अवस्थित है और इसके कारण घरेलू उद्योग समय पर मांग की आपूर्ति करने में समर्थ नहीं है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

37. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षों के मुख्य आवेदनों की जांच की है जो निम्नानुसार है :-

- (क) उपयोक्ता उद्योग की अवस्थिति के साथ-साथ संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उद्योग की अवस्थिति में भौगोलिक असमानता के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि वही तर्क आयातों पर भी लागू होता है क्योंकि उपलब्ध सूचना के अनुसार इनकी अधिकांश मात्रा पश्चिमी तट पर पहुंचती है ।
- (ख) जहां तक क्षति विश्लेषण एवं क्लोरीन की कारकता का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबंधित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा रखे गए लागत रिकॉर्डों के अनुसार क्लोरीन को गौण उत्पाद/संयुक्त उत्पाद माना गया है । अब तक की गई सभी पूर्ववर्ती जांचों में संबद्ध वस्तुओं के संबंध में प्राधिकारी द्वारा लगातार यही पद्धति अपनाई गई है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस संबंध में माननीय उच्चतम न्यायालय में सेस्टेट आदेश के खिलाफ अपील की गई है तथा माननीय उच्चतम न्यायालय में द्वारा इसको स्थगित कर दिया गया है ।
- (ग) जहां तक नियम 23 के अधीन क्षेत्राधिकार का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा अब तक की गई सभी मध्यावधि समीक्षाएं नियम 23 के अंतर्गत की गई हैं । वर्तमान समीक्षा परिस्थितियों में परिवर्तन के आधार पर है ।
- (घ) विभिन्न जांचों के अंतर्गत आने वाले देशों के समूह/पुनर्समूह के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस संबंध में कानून के अंतर्गत कोई बाधा नहीं है ।
- (ङ) जहां तक अधिक आयात आंकड़ों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने पण्य आयातों की पुनरावृत्ति, जो आंकड़ा एजेंसी नामतः आई बी आई एस जिन पर घरेलू

उद्योग विश्वास करता है, के द्वारा किए गए हैं, के द्वारा इस संबंध में गलती का पहले ही स्पष्टीकरण कर दिया था। आयात आंकड़ों का अब सुधार कर दिया गया है।

- (च) जहां तक घरेलू उद्योग की क्षति का संबंध है, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अधीन यथाअपेक्षित आर्थिक मापदंडों की जांच की है और इस संबंध में प्राधिकारी की टिप्पणी प्रकटन विवरण में समुचित स्थान पर उपलब्ध कराई गई है।
- (छ) प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान याचिका घरेलू उद्योग की ओर से अल्कली मैनुफैक्चरिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर की गई है जिसमें गुजरात अल्कलीज एंड केमिकल्स लि, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लि., डी सी एम श्रीराम कंसॉलिडेटेड लि., एस आई ई एल इंडस्ट्रियल कॉम्प्लैक्स (मवाना शुगरस लि. की एक इकाई), बिहार कास्टिक एंड केमिकल्स लि. (जिसे अब आदित्य बिड़ला केमिकल्स (इंडिया) लि. के नाम से जाना जाता है) शामिल हैं। ये उत्पादक नियम 2(ख) के अंतर्गत पात्र घरेलू उत्पादक हैं। इसके अलावा, इन उत्पादकों का समग्र उत्पादन, भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है। इन कंपनियों को भागीदार देश माना गया है।
- (ज). प्रारंभिक जांच के पश्चात सोलारिस केमटेक लि. तथा डी सी डब्ल्यू लि. ने भी क्षति संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है। तथापि, मौखिक सुनवाई के समय उपस्थित हितबद्ध पक्षकारों ने प्रारंभिक जांच के पश्चात और घरेलू उत्पादकों से प्राप्त अतिरिक्त सूचना जोड़े जाने पर आपत्ति जताई व प्राधिकारी से क्षति आकलन हेतु इस सूचना पर विचार न करने की मांग की। विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाई गई आपत्ति और इस तथ्य पर कि उपर्युक्त दोनों कंपनियों ने अपनी क्षति संबंधी सूचना देर से प्रस्तुत की, पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने डी सी डब्ल्यू लि. तथा सोलारिस लि. द्वारा प्रस्तुत सूचना पर विचार न करने का निर्णय लिया है और हितबद्ध पक्षकारों को भी इसके विषय में सूचित किया है।
- (झ) नियमों के अंतर्गत भागीदार कंपनियां सामूहिक रूप से घरेलू उद्योग हैं। प्राधिकारी ने इन भागीदार कंपनियों के संबंध में घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की है। क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों की इस जांच परिणाम में समुचित स्थानों पर जांच की गई है।

क्षति का संचयी आकलन

38. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (iii) में यह उपबंध है कि जब एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि :-

- (i). प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो % से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की तीन% से अधिक है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात तीन % से कम है वहां आयातों का संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के सात% से अधिक है, और;

(ii). आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

39. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव ; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी । पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है । जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

40. जहां ते घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख किया गया है:-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

41. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मापदंडों तथा उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा आदि जिनका उल्लेख ऊपर किया गया है, की जांच निम्नानुसार की गई है ।

पाटित आयातों का कीमत प्रभाव:

आयात की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

42. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (ii) में प्रावधान है कि "पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष अत्यधिक वृद्धि हुई है " इस प्रकार, जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, यह जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों में निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । प्राधिकारी ने मात्रा के रूप में हुई क्षति के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ आई बी आई एस से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों पर विश्वास किया है और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:-

| विवरण | इकाई | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | अक्टू'08- दिसं.'09 वार्षिकीकृत |
|--------------------------------------------------------------------|--------|----------|----------|----------|--------------------------------------|
| आयात | | | | | |
| संबद्ध देश | मी. ट. | 31725 | 17357 | 23463 | 1,14,565 |
| समानांतर जांच के अधीन देश | मी. ट. | 10 | 3,612 | 16,941 | 77,590 |
| जांचाधीन पाटित आयात | मी. ट. | 31735 | 20969 | 40404 | 1,92,154 |
| अन्य देश | मी. ट. | 1,56,593 | 1,26,053 | 1,36,037 | 1,04,771 |
| कुल आयात | मी. ट. | 1,88,328 | 1,47,022 | 1,76,441 | 2,96,926 |
| संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा | | | | | |
| संबद्ध देश | % | 16.85 | 11.81 | 13.3 | 38.58 |
| समानांतर जांच के अधीन देश | % | 0.01 | 2.46 | 9.6 | 26.13 |
| जांचाधीन पाटित आयात | % | 16.85 | 14.26 | 22.9 | 64.71 |
| अन्य देश | % | 83.15 | 85.74 | 77.1 | 35.29 |
| कुल आयात | % | 100 | 100 | 100 | 100 |
| घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में संबद्ध पाटित आयातों का हिस्सा | % | 3.93 | 1.93 | 2.57 | 12.28 |
| भारत में खपत की तुलना में संबद्ध पाटित आयातों का हिस्सा | % | 1.61 | 0.85 | 1.10 | 5.08 |

43. संबद्ध देशों से संबद्ध उत्पाद के आयातों में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में अत्यधिक मात्रा में वृद्धि हुई है और यह वृद्धि काफी अधिक (लगभग चार गुणा) हुई। यह नोट किया गया है कि अन्य देशों से आयात जो अलग से जांचाधीन हैं में भी व्यापक वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया गया है कि तीसरे देशों से आयात महत्वपूर्ण हैं, जिनमें क्षति की अवधि में गिरावट आई है।

44. उत्पाद के आयातों में संबद्ध देशों के हिस्से में आधार वर्ष से जांच अवधि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, अन्य देशों, जिनके संबंध में मध्यावधि समीक्षा की जा रही है, से हुए आयातों में भी क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। वर्तमान में जांचाधीन देशों से हुए संचयी आयात वर्ष 2006-07 में 16.85% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 64.71% हो गए हैं।

45. भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में भी आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है ।

46. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि आयातों में निरपेक्ष रूप से तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है ।

च 6. आयातों का कीमत प्रभाव

47. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों से हुए प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक मंदी लाना अथवा कीमत में वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक हुई होती । घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कीमत ह्रास और कीमत अवमूल्यन, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है । इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) तथा क्षति रहित कीमत (एन आई पी) की तुलना संबद्ध देशों से किए गए आयातों की पहुंच लागत से की गई है । निवल बिक्री प्राप्ति की गणना सभी छूटों व करों को घटाकर की गई है । आयातों के पहुंच मूल्य की गणना में संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य में 1% प्रहस्तन प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क जोड़ दिया गया है । आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से की गई और यह पाया गया कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कीमत कटौती हो रही है ।

कीमत कटौती

48. यह ज्ञात करने के लिए कि क्या आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कीमत कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से की थी । प्राधिकारी ने करों एवं शुल्कों, रिबेटों, छूटों, और कमीशन को छोड़कर बिक्री कीमत पर विचार करके निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण किया है । इस गणना में घरेलू उद्योग द्वारा की गई बिक्री की समस्त मात्रा शामिल की गई थी । आयातों की पहुंच कीमत का निर्धारण 1% प्रहस्तन प्रभार सहित औसत सी आई एफ आयात कीमत एवं लागू मूल सीमाशुल्क और लागू उपकर के आधार पर किया गया । तुलना निवल बिक्री प्राप्ति तथा आयातों की पहुंच कीमत के बीच की गई थी । संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम हैं जो पाटित आयातों के कारण हुई अत्यधिक कीमत कटौती का द्योतक है ।

(रू./मी.ट.)

| क्र. | विवरण | पहुंच कीमत | घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत | कीमत कटौती (राशि) | कीमत कटौती (%) |
|------|---------------|------------|----------------------------------|-------------------|----------------|
| 1 | कोरिया जन.गण. | ***** | ***** | ***** | 20-30 |
| 2 | अमरीका | ***** | ***** | ***** | 10-20 |
| 3 | सऊदी अरब | ***** | ***** | ***** | 10-20 |
| 4 | संबद्ध देश | ***** | ***** | ***** | 10-20 |

49 यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती हुई है।

कीमत ह्रास

50. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों में कीमत ह्रास हुआ है, प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारण किया गया कि क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमत वृद्धि को रोकना था, जो अन्यथा हुई होती। इस प्रयोजनार्थ संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतों की तुलना उत्पादन लागत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों की प्रवृत्ति से की गई।

| क्र.सं. | विवरण | इकाई | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | जांच अवधि |
|---------|------------------|-------------|---------|---------|---------|-----------|
| 1 | बिक्री लागत | रु. / मी.ट. | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 97 | 126.72 | 133.40 |
| 2 | नियत बिक्री कीमत | रु. / मी.ट. | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 96.19 | 121.12 | 112.38 |

51. उपर्युक्त सूचना से यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि बिक्री कीमत में हुई वृद्धि बिक्री की लागत में हुई वृद्धि की तुलना में कम है। इस प्रकार घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप संबद्ध वस्तुओं की कीमत प्राप्त करने में समर्थ नहीं हुआ है। इस प्रकार जांच अवधि के दौरान कीमत ह्रास हुआ है।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

52. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख किया गया है :-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, नियेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी नियेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

53. घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति संबंधी विभिन्न मापदंडों का विवेचन निम्नानुसार है :-

घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता उपयोग एवं बाजार हिस्सा

| विवरण | इकाई | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | अक्टू '08- दिसं. '09 | अक्टू '08- दिसं. '09 वार्षिकीकृत |
|----------------------------------------|-------|---------|---------|---------|-------------------------|----------------------------------------|
| क्षमता | मी.ट. | ***** | ***** | ***** | ***** | ***** |
| उत्पादन | मी.ट. | ***** | ***** | ***** | ***** | ***** |
| क्षमता उपयोग | % | 86% | 90% | 87% | 86% | 86% |
| घरेलू बिक्री की मात्रा- याचिकाकर्ता | मी.ट. | ***** | ***** | ***** | ***** | ***** |
| घरेलू बिक्री- अन्य घरेलू उत्पादक | मी.ट. | ***** | ***** | ***** | ***** | ***** |
| कुल आयात | मी.ट. | ***** | ***** | ***** | ***** | ***** |
| मांग | मी.ट. | ***** | ***** | ***** | ***** | ***** |
| घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा | % | 38.49 | 41.87 | 40.66 | 39.25 | 39.25 |

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने क्षमता में विस्तार किया है। इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि देखी गई है। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा लगभग स्थिर रहा है।

लाभ/हानि, नकद लाभ और निवेश से आय

| क्र. सं. | विवरण | इकाई | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | अक्टू '08- दिसं. '09 |
|----------|------------------------|--------------|---------|---------|---------|-------------------------|
| 1 | लाभ/हानि-लाई | रु. / मी. ट. | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 94 | 105 | 53 |
| 2 | लाभ/हानि-फ्लैक्स | रु. / मी. ट. | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 108 | 133 | -31 |
| 3 | ब्याज पूर्व लाभ | लाख रुपए | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 105 | 122 | 73 |
| 4 | लाभ/हानि-लाई जमा फ्लैक | रु/लाख | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 107 | 124 | 64 |
| 5 | नकद लाभ | लाख रुपए | ***** | ***** | ***** | ***** |

| | | | | | | |
|---|-----------------------|----------|-------|-------|-------|-------|
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 110 | 135 | 95 |
| 7 | नियोजित पूंजी एन एफ ए | लाख रुपए | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 99 | 125 | 118 |
| 8 | निवेश से आय - एन एफ ए | % | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 106 | 98 | 50 |

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रति इकाई उत्पादन पर घरेलू उद्योग के लीग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अत्यधिक गिरावट आई है। इसके परिणामस्वरूप ब्याज कर पूर्व लाभ में भी जांच अवधि के दौरान अत्यधिक गिरावट आई। लाभप्रदता में गिरावट के परिणामस्वरूप निवेश से हुई आय में, जिसमें वर्ष 2006-07 से 2008-09 तक वृद्धि हुई थी, जांच अवधि के दौरान अत्यधिक गिरावट आई।

56. प्राधिकारी ने उत्पादन और घरेलू बाजार में बिक्री से हुए नकद लाभ पर विचार करके नकद प्रवाह पर पाटन के प्रवाह का निर्धारण किया था। यह नोट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान नकद लाभ में भी गिरावट आई।

57. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी निर्णय लेते हैं कि घरेलू उद्योग का निष्पादन लाभ, निवेश पर आय तथा नकदी प्रवाह के कारण हास हुआ है।

औसत मालसूची

| क्र. सं. | विवरण | यू ओ एम | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | अक्टू'08-दिसं.'09 वार्षिकीकृत |
|----------|-------------------|----------|---------|---------|---------|-------------------------------|
| 1 | औसत मालसूची | मी. ट. | 2,864 | 5,341 | 6,261 | 10,579 |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 186 | 219 | 369 |
| | प्रति दिन मालसूची | मी. ट. | 7.85 | 14.63 | 17.15 | 28.98 |

58. उपर्युक्त से यह देखा गया है कि प्रतिदिन की निविष्टियों के साथ-साथ औसत निविष्टियों में जांच अवधि के दौरान पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है।

रोजगार एवं मजदूरी

| क्र. सं. | विवरण | यू ओ एम | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | अक्टू'08-दिसं.'09 वार्षिकीकृत |
|----------|-----------------------|---------|---------|---------|---------|-------------------------------|
| 1 | कर्मचारियों की संख्या | सं. | ***** | ***** | ***** | ***** |

| | | | | | | |
|---|-----------------------------------|-----------|-------|-------|-------|-------|
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 91 | 89 | 88 |
| 2 | मजदूरी | रु./लाख | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 106 | 132 | 129 |
| 3 | उत्पादन की प्रति इकाई मजदूरी लागत | रु./मी.ट. | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 95 | 117 | 112 |

59. यह नोट किया गया है कि इस अवधि में कर्मचारियों की संख्या में निम्नवट आई है। इसके अलावा, भुगतान की गई मजदूरी में वृद्धि हुई है जो मजदूरी में हुई सामान्य वृद्धि के अनुरूप प्रतीत होती है।

पाटन की मात्रा

60. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति पाटित आयातों की सीमा को सूचित करने वाली पाटन की सीमा यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक है।

कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

61. संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों की मात्रा की प्रवृत्ति की जांच से ज्ञात होता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है। कीमत कटौती, कीमत ह्रास तथा कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव भी सकारात्मक पाया गया है।

क्षति संबंधी मानदंडों पर निष्कर्ष

62. इस प्रकार यह देखा गया है कि :

- संबद्ध देशों से आयातों में अत्यधिक रूप में वृद्धि हुई है। आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। आयातों में भारत में खपत की तुलना में वृद्धि हुई है।
- आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हुई है।
- ऐसी स्थिति में जब घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है वह अपनी कीमतें घटाने के लिए विवश हुआ है। इस प्रकार आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतें में अवमूल्यन हुआ है।
- आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश से आय और नकद लाभ में गिरावट आई है।
- घरेलू उद्योग की मालसूचियों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- क्षति के मानदंड के रूप में पाटन मार्जिन काफी अधिक है।
- घरेलू उद्योग का उत्पादन आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़ा है और क्षमता उपयोग सामान्यतया स्थिर रहा है।

viii. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है ।

ix. मजदूरी एवं उत्पादन का पाटन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं दिखाई देता है । तथापि, वित्तीय मापदंडों सहित क्षति के अन्य बड़े मानदंडों में कोई गिरावट नहीं आई है ।

63. उल्लिखित क्रे देखले हुए प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को महत्वपूर्ण आर्थिक मापदंडों पर वास्तविक क्षति का सामना करना पड़ा है ।

अन्य ज्ञात क्षति मानदंड और कारणात्मक संबंध

64. वास्तविक क्षति के अस्तित्व, मात्रा तथा घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत प्रभाव की जांच के उपरांत यह देखने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति में पाटित आयातों के अलावा अन्य कारकों का भी योगदान है, कम कीमत पर बिक्री तथा अवमूल्य के प्रभाव के रूप में पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मानदंडों की भी जांच की गई । तदनुसार, निम्नलिखित मानदंडों की जांच की गई :-

i. अन्य स्रोतों से आयात की मात्रा एवं कीमत

जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से इतर अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात मात्रा के रूप में अत्यधिक है । इसलिए प्राधिकारी ने तीसरे देशों से हुए आयातों की जांच की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि यू एस ए, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, चीन एवं इंडोनेशिया से आयात न्यूनतम स्तर से अधिक होने की सूचना है । प्राधिकारी यू एस ए, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया से आयातों के संबंध में मध्यावधि समीक्षा जांच कर रहे हैं । चीन एवं इंडोनेशिया के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन पर पाटन मार्जिन पहले से ही लागू हैं ।

ii. मांग में संकुचन

संबद्ध वस्तुओं की मांग में संपूर्ण क्षति जांच अवधि के दौरान सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है और इसलिए घरेलू उद्योग की क्षति के लिए देश में मांग की कमी का आरोप नहीं लगाया जा सकता है ।

iii. खपत के स्वरूप में परिवर्तन

खपत के आंकड़े उत्पाद के खपत के स्वरूप में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रदर्शित नहीं करते हैं ।

IV. प्रौद्योगिकी विकास

किसी भी हितवृद्ध प्रकार में प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण परिवर्तन का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो ।

V. व्यापार प्रतिबंधक व्यवहार और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है। घरेलू उद्योग संघटक संबद्ध वस्तुओं के मुख्य उत्पादक हैं और वह अधिक घरेलू उत्पादन एवं बिक्री करते हैं। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रतिस्पर्धा की शर्तों के कोई साक्ष्य या व्यापार प्रतिबंधक व्यवहार को प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाया है।

vi. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री मात्रा घरेलू उद्योग की किसी क्षति के लिए काफी कम है।

vii. घरेलू उद्योग की उत्पादकता

घरेलू उद्योग की उत्पादकता में प्रति कर्मचारी उत्पादन अथवा प्रतिदिन उत्पादन के रूप में सुधार हुआ है। उत्पादकता में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग की क्षति का कारक नहीं हो सकती है।

65. उपर्युक्त गैर आरोप विश्लेषण से प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कोई अन्य ज्ञात कारक प्रतीत नहीं होता।

कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

66. क्षति की अभिवृद्धि में घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण प्रदर्शित करता है कि जहां उद्योग महत्वपूर्ण आर्थिक मानदंडों का संबंध है, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में वास्तविक रूप से गिरावट आई है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का निम्नलिखित आधार पर विश्लेषण किया गया है:

(i) संबद्ध देशों एवं अन्य जांचाधीन देशों से पाटित आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

(ii) संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की महत्वपूर्ण रूप से कीमतों में कमी कर रहे हैं। इसी प्रकार घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में वृद्धि के साथ कम कीमत पर बिक्री करने पर बाध्य हुआ है। इस प्रकार पाटित आयात से कीमत ह्रास हुआ है।

(iii) लाभ, नकद प्रवाह एवं निवेश पर आय जैसे व्यापक वित्तीय मानदंडों के साथ घरेलू उद्योग के निष्पादन में कीमत में ह्रास के कारण विकृति आई है।

67. अतः प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

क्षति की सीमा एवं क्षति मार्जिन :

68. जांच अवधि के दौरान पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं की क्षति रहित कीमत, जिसका निर्धारण प्राधिकारी ने किया है, की तुलना संबद्ध देशों से किए गए निर्यातों के पहुंच मूल्य से की गई है। इस प्रकार की गई तुलना के बाद पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

| देश | उत्पादक/निर्यातक | पहुंच कीमत रु./मी.ट. | क्षति रहित कीमत रु./मी.ट. | क्षति मार्जिन रु./मी.ट. | क्षति मार्जिन अम.डॉ./मी.ट. |
|---------------|--------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------|---------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|
| कोरिया जन.गण. | हन्वा कैमिकल कार्पोरेशन (उत्पादक) हन्वा कार्पोरेशन ट्राईकॉन एनर्जी लि. (निर्यातक) | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | अन्य कोई संयोजन | ***** | ***** | ***** | ***** |
| सऊदी अरब | सदफ (उत्पादक) एसटीएमइ पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट एफ जैड ई, दुबई, यू ए ई, (निर्यातक) | ***** | ***** | ***** | ***** |
| | अन्य कोई संयोजन | ***** | ***** | ***** | ***** |
| यू.ए.ई | सभी उत्पादक/निर्यातक | ***** | ***** | ***** | ***** |

झ. क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद संबद्ध देशों से पाटन जारी है और ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है। अतः पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना की आगे जांच करना अपेक्षित नहीं है।

ट. निष्कर्ष

70. उपर्युक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि:

- भारत को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है;
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- क्षति संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है।

ज. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

71. प्राधिकारी का मानना है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित होगा। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन व्यवहारों से प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ताओं को आपूर्ति के दो अथवा अधिक स्रोत उपलब्ध रहेंगे

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया; अतः उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

1. सिफारिशें

73. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से भिन्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित संदर्भ कीमत तथा आयात के समय पहुंच मूल्य कॉलम 8 में उल्लिखित मूल्य कम होने की स्थिति में संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के रूप में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

| क्र. सं. | उप-शीर्ष | वस्तुओं का विवरण | उदगम का देश | निर्यात का देश | उत्पादक | निर्यातक | राशि (अम. डा./डीएमट) |
|----------|------------------|--------------------------------------|--------------------------------|--------------------------------|----------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------|----------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | 281511 281512 | कास्टिक सोडा (लाई एवं सॉलिड /फ्लक्स) | कोरिया जन.गण. | कोरिया जन.गण. | मै. हन्डवा कैमिकल कार्पोरेशन | ट्राईकॉन एनर्जी लि. द्वारा मै.हन्डवा कार्पोरेशन | लागू नहीं |
| 2 | -वही- | -वही- | कोरिया गण. | कोरिया गण. | उपरोक्त क.सं. 1 से इतर अन्य कोई संयोजन | | 366 |
| 3 | -वही- | -वही- | कोरिया गण. | कोरिया गण. से इतर अन्य कोई देश | कोई | कोई | 366 |
| 4 | -वही- | -वही- | संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश | कोरिया गण. | कोई | कोई | 366 |
| 5 | -वही- | -वही- | सऊदी अरब | सऊदी अरब | सदफ | पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट एफ जेड ई. यू ए ई द्वारा शैल ट्रेडिंग मिडिल ईस्ट (एस टी एम ई) | 379 |
| 6 | -वही- | -वही- | सऊदी अरब | सऊदी अरब | उपरोक्त क.सं. 5 से इतर अन्य कोई संयोजन | | 379 |
| 7 | -वही- | -वही- | सऊदी अरब | सऊदी अरब से इतर अन्य कोई देश | कोई | कोई | 379 |
| 8 | -वही- | -वही- | संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश | सऊदी अरब | कोई | कोई | 379 |
| 9 | -वही- | -वही- | अमरीका | अमरीका | कोई | कोई | 379 |
| 10 | -वही- | -वही- | अमरीका | अमरीका से इतर अन्य कोई देश | कोई | कोई | 379 |
| 11 | -वही- | -वही- | संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश | अमरीका | कोई | कोई | 379 |

इस अधिसूचना के प्रयोजार्थ "पहुंच मूल्य" का तात्पर्य सी.शु. अधिनियम,, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य से है और उसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3ख, 8ख 9 और 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल हैं ।

६. आगे की प्रक्रिया:

इस सिफारिश के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th July, 2011

FINAL FINDINGS

Sub. : Final Findings of Mid Term Review of anti-dumping duty imposed on imports of Caustic Soda originating in or exported from Saudi Arabia, Korea RP and United State of America.

F. No. 15/2/2010-DGAD.—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

A Background of the Case

The Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the AD Rules); recommended imposition of Anti Dumping duty on the imports of Caustic Soda (hereinafter also referred to the subject goods) originating in or exported from Saudi Arabia, Korea RP and USA (hereinafter also referred to as the subject countries) falling under Sub-heading 2815. The sunset review final findings notification for China PR and Korea RP issued by the Authority was published vide notification No.15/11/2007-DGAD - dated 22.11.2008. Sunset review final findings in respect of Saudi Arabia, Iran, Japan, USA and France was notified vide notification no. 15/29/2004-DGAD dated the 1st August, 2006. The Authority initiated the Mid Term Review of the said definitive anti dumping duty vide notification no. 15/2/2010-DGAD dated 8.6.2010. The petition in the original case was filed by Alkali

Manufacturers' Association of India on behalf of domestic industry and Mid Term Review petition has also been filed by Alkali Manufacturers' Association of India on behalf of domestic industry.

B. Procedure

2. The procedure described below has been followed in the present investigation:

a. The Authority received a duly substantiated application from Alkali Manufacturers' Association of India for review, modification of the form of duty and enhancement in the quantum of anti dumping duty in force, *inter alia*, based on the grounds that the product continued to be exported at dumped prices, which was causing injury to the domestic industry and the existing duty is not sufficient to address the injury to the domestic industry. The petitioner submitted prima facie evidence in this regard, requesting for midterm review investigation and modification of the form of anti dumping duty in force

b. Having been satisfied that the petitioner has produced sufficient information substantiating the need for a review, the Authority initiated the mid-term review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of subject goods originating in or exported from subject countries vide Notification No. 15/2/2010-DGAD dated 8th June 2010 in accordance with Section 9A (5) of the Act, read with Rule 23 of the AD Rules.

c. The scope of the present review covers all aspects of the previous notification.

d. The Embassy of the subject countries in New Delhi was informed of the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).

e. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the Embassy of subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.

f. The Authority forwarded a copy of the public notice to the following known exporters (whose names and addresses were made available to the Authority) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4).

- Hanwa Corporation, Korea RP
- Tricon Energy Ltd., United States of America,
- Saudi Basic Industries Corporation, Saudi Arabia
- Saudi Petrochemical Company, Saudi Arabia
- Shell Trading (M.E) Pvt Ltd., Saudi Arabia
- DC Chemicals Limited, Korea RP

g. Response to exporter's questionnaire was received from the following producers/exporters of the subject goods from the subject countries:

- Hanwa Chemical Corporation, Korea RP
- Tricon Energy Ltd., United States of America,
- Saudi Petrochemical Company, (SADAF), Saudi Arabia
- Shell Trading (M.E) Pvt Ltd., U.A.E.
- Petrochem Middle East FZE, U.A.E.

h. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the following known importers (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(4).

- a) Abhay Chemical Limited
- b) Albright Wilson Chemicals Limited
- c) Arvind Mills Limited
- d) Central Pulp Mills Limited
- e) Deepak Nitrite Limited
- f) Godrej Soaps Limited
- g) Gujarat Narmada Fertilizers & Chemicals Limited
- h) Gujarat State Fertilizer & Chemicals Limited
- i) Indian Farmer Fertilizer Co.Op Limited
- j) Indian Oil Corporation Limited
- k) Jaysynth Dyeschem Limited,
- l) Link Pharma Ltd.
- m) Meghmani Organics Limited
- n) Narmada Chemature Petrochemcials Ltd.
- o) Nirma Limited
- p) Pab Chemicals (P) Limited
- q) Rama News Prints & Papers Limited,
- r) Rubamin Limited
- s) Sabero Organics Ltd.
- t) Torrent Gujarat Biotech Limited
- u) Transpek Silox Industries Limited
- v) National Aluminium Company Ltd

- w) Cynaides and Chemicals Company,
- x) Hitsu Industries Limited
- y) Adani Exports Limited
- z) Libra Foams
- aa) Shri Ramachandra Straw Products Limited
- bb) Bilag Industries Pvt Ltd.
- cc) Daruala Organics Limited
- dd) CJ Shah & Co.
- ee) Harish Kr & Co.
- ff) Hindustan Link & Resin Limited
- gg) Hindustan Lever Limited

i. The following importers responded to the notice of initiation.

- a) Vedanta Aluminum Limited.
- b) Hindalco Industries Limited.

j. Following association has responded:

Aluminium Association of India

- k. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- l. Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- m. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations, which was received by the Authority.
- n. Information was sought from the domestic industry to determine non-injurious price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- o. The Authority held a public hearing on 22.02.2011 to hear the interested parties orally. The interested parties present at the time of

hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally and were also given an opportunity to file rejoinder to the views expressed by other interested parties. The written submissions and rejoinders received from interested parties have been examined in these findings, to the extent considered relevant.

- p. On the spot verification of the data provided by the domestic industry and M/s Hanwha Chemical Corporation, Korea RP, Shell Trading (M.E) Pvt Ltd. and Petrochem Middle East, FZE was carried out to the extent considered necessary.
- q. In accordance with Rule 16 of the Rules *supra*, the essential facts that would form the basis of final findings were disclosed to known interested parties. Comments received on the same have been duly examined in Final Findings.
- r. Investigation has been carried out for the period starting from 1st October, 2008 to 31st December 2009 (also referred to as the period of investigation or POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2006–March 2007, April 2007–March 2008 April 2008–March 09, and the POI.
- s. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- t. The exchange rate for the POI has been taken as Rs. 49.10=1 US\$

C. Product under consideration and like article

- 3. The product under consideration in the present case is "Caustic Soda" originating in or exported from Saudi Arabia, Korea RP and USA. Caustic soda is chemically known as NaOH. Caustic soda is a soapy, strongly alkaline odorless liquid widely used in diverse industrial sectors, either as a raw material or as an auxiliary chemical. Caustic soda is produced in two forms – lye and solids. Solids can be in the form of flakes, prills, granules or any other form.
- 4. Caustic soda is used in the manufacture of pulp and paper, newsprint, viscose yarn and staple fiber, aluminum, cotton, textiles, toilet and laundry soaps, detergents, dyestuffs, drugs and pharmaceuticals, vanaspati, petroleum refining etc.
- 5. Caustic Soda being is an inorganic chemical and is categorized under Chapter 28 of the Customs Tariff Act, 1975

under subheading no. 2815. The classification is however indicative only and has no binding upon the scope of product under consideration.

6. Caustic Soda is produced in three processes, diaphragm, mercury and membrane. However, the final product from the each process produced contains similar physical and chemical characteristics.

Submissions of the Domestic Industry

7. The present investigation being the mid term review, the scope of the product under consideration must remain same as that in the original investigation.

Submissions of the exporter/ producer

8. DG Safeguard investigation was based on lye alone, whereas the anti-dumping investigation is based on lye and flakes.

Examination by the Authority

9. The present investigation is a review investigation concerning Anti dumping duties already in force on imports of Caustic Soda on the basis of recommendations earlier made by the Authority. The scope of PUC in the Director General (Safeguards)'s findings is not relevant for the present investigation concerning Anti dumping duty.
10. The Authority notes that the scope of the product under consideration remains the same as that of the original investigation.
11. The Authority notes that there is no significant difference in subject goods produced by the Indian industry and exported from subject countries. Even though the product is produced through different process, the subject goods produced by the Indian industry and that imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the opposing interested parties has raised any objection in this regard. Subject goods produced by the petitioner companies

are being treated as like articles to the subject goods imported from subject countries in accordance with the anti-dumping Rules.

D. Domestic Industry and Standing

12. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

2(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers only

13. The application was filed by Alkali Manufacturers' Association of India (AMAI). The application was filed by the association on behalf of the following domestic producers, who provided relevant information.

- a. Gujarat Alkalies & Chemicals Limited
- b. Grasim Industries Limited
- c. DCM Shriram Consolidated Limited
- d. SIEL Industrial Complex
- e. Bihar Caustic & Chemicals Limited

14. The following companies supported the petition filed by AMAI.

- a. Reliance Industries Limited
- b. Kanoria Chemicals & Industries Limited
- c. Gujarat Fluorochemicals Limited
- d. Solaris Chemtech Limited
- e. DCW Limited
- f. Jayshree Chemicals Limited

15. Post initiation, Solaris Chemtech Limited and DCW Limited also provided their injury information. However, the interested parties, during the course of oral hearing, objected to addition of information from more domestic producers after initiation and urged the Authority not to consider their information for injury assessment. Considering the objection raised by the opposing interested parties and considering

the fact that the injury information was submitted by the aforesaid two companies belatedly, the Authority decided not to consider the information filed by DCW Ltd. and Solaris Ltd. and informed the interested parties about the same.

16. Authority notes that the companies who provided their injury data during initiation collectively account for a major proportion of total Indian production. The petition, therefore, satisfied the requirements of standing under the Rules. Further, the participating companies constitute "Domestic Industry" within the meaning of the Rules.

17. The interested parties have argued that the petitioner has changed composition of domestic industry in every case. The Authority observes that there is no barrier in this regard under the law. Nor any interested party has established that this has in any way prejudiced the present investigation.

E. Confidentiality

18. The Authority examined the confidentiality claims of the interested parties and on being satisfied with regard to claim on confidentiality, the same has been allowed.

F. Submissions and issues raised

19. The Authority notes that the following producers/exporters from subject countries have filed response to the exporters' questionnaire :-

| Name of the company | Status |
|----------------------------------------|----------|
| Hanwha Chemical Corporations, Korea RP | Producer |
| Tricon Energy Ltd., U.S.A. | Exporter |
| SADAF, Saudi Arabia | Producer |
| Shell Trading (M.E) Pvt Ltd., UAE | Trader |
| Petrochem Middle East, FZE, UAE | Exporter |
| | |

20. Further, M/s Hindalco Industries Limited and Vedanta Aluminium Limited have responded to the Designated Authority and provided the information relevant to the present investigation.

21. Submissions made by the interested parties have been appropriately addressed/ examined in the present findings.

G. Post-Disclosure comments of interested parties:

22. The following are post-disclosure submissions of interested parties:-

- i) Arguments with regard to standing of the petitioner and scope of the Domestic Industry; grouping, ungrouping and regrouping of countries, low demand of Chlorine, overstated import data have been repeated.
- ii) Insufficient time given to file comments on Disclosure statement.
- iii) Constructed Normal Value should be disclosed
- iv) Complete chain of exports to be specified: SADAF – STME – Petrochem Middle East.
- v) Exporters have reiterated the submissions with regard to product under consideration, selection of domestic industry, geographical imbalance, treatment of Chlorine as a co-product, import data variation, lye and flake not being like products, and injury being caused by imports from other countries.
- vi) Hanwha Corporation is related entity of Hanwha Chemical, Hanwha Chemical Corporation. Both Companies are part of Hanwha group. Exports sales are through trading companies. Designated Authority has separately provided dumping margin for middleman entity through which imports had been made.
- vii) Domestic industry is selling above non-injurious price.
- viii) Causal Link: Haphazard cumulating of subject countries will lead to contradictory and distorted analysis in sunset review of Saudi Arabia, Iran, Japan, US and France.
- ix) Designated Authority rightly followed certain parameters such as raw materials etc in determining non-injurious price. Designated Authority failed to provide the methodology adopted for calculating the return on capital employed.
- x) Designated Authority has worked out non-injurious price separately for flakes and lye. There is no rationale for recommending separate duties for both the grades. Dumping margin has been worked on the methodology prescribed under Product under Consideration and it is requested the same methodology ought to be followed for injury analysis as well.
- xi) Importer has repeated its arguments on account of standing of the Domestic Industry; grouping, ungrouping and regrouping of countries; overstated import data; less production and production capacity due to decline in price and low demand of

- chlorine; selection of period of investigation, inability of the domestic industry to supply the goods, high cost of power in India, calculation of Dumping Margin.
- xii) Anti Dumping Duty on United States of America needs to be withdrawn and no causal link.

Post disclosure comments of the petitioner

- (i) Domestic price of Hanwha Chemical Corporation in Korea cannot be so low as to lead to negative dumping margin.
- (ii) Petitioner has strong suspicion that the data has not been adequately disclosed by the exporter. Further, it is possible that the data includes sales to related parties which might be materially below the selling price to unrelated parties.
- (iii) Expenses of the entire sales channel must be deducted. Since Hanwha Corporation is involved in export transactions to India, the SGA and profit of Indian office of Hanwha Corporation need to be adjusted from export price.
- (iv) Since Hanwha Corporation has not filed any questionnaire response, the sales channel is incomplete.
- (v) Non Injurious Price has not been correctly determined.
- (vi) As regards form of duty, anti dumping duty may be imposed in the fixed form.
- (vii) Petitioner has submitted that the Authority may consider captive inputs at their market value.
- (viii) Consideration of gross fixed assets or alternatively net fixed assets at their present market value for determination of NIP.

Examination by Authority:

Examination by Authority:

23. The Authority has examined the above issues as under:-

- i) As regards the submission regarding grouping, ungrouping and re-grouping of countries and changing composition of petitioner in different investigation, the Authority finds that the same is not barred under the law/Rules. As regards overstated import data, the Authority notes that IBIS data duly revised and rationalized has been relied upon in these findings. As regards Chlorine factor in injury analysis, the Authority notes that chlorine has been treated as a by-product/joint product, as per the cost records maintained by the interested parties. This has

been the consistent practice of the Authority in all the previous investigations concerning the subject goods hitherto conducted. The Authority also notes that the CESTAT order in this regard has been appealed against in Hon'ble Supreme Court and the matter has since been stayed by Hon'ble Supreme Court.

- ii) Normal Value in respect of Saudi Arabia has been constructed on the basis of international price of raw materials and most efficient consumption norms and conversion cost available on record. To the total cost of production so arrived, 5% profit has been added to arrive at normal value at ex-factory level.
- iii) Considering the time constraints, adequate time was given to all interested parties to comment on the Disclosure statement.
- iv) The Authority notes that export transaction has taken place in certain cases in a chain. Accordingly, expenses incurred at the level of various intermediary companies including traders have been duly accounted for/adjusted in the determination of normal value and export price. The entire chain is also reflected in the Duty Table.
- v) The issues relating to product under consideration, selection of domestic industry, geographical imbalance, treatment of Chlorine as a co-product, import data variation, lye and flake not being like products, and injury being caused by imports from other countries have duly been examined in the Disclosure statement. As regards import data variation, the Authority has considered the data reported by IBIS after rationalization of original IBIS data relating to volume so as to arrive at the volume in terms of DMT on the basis of prevalent price/DMT. In this regard, it is stated that the original IBIS data in respect of four countries namely Korea RP, Norway, Taiwan and Thailand showed unrealistic and abnormally low per unit price which suggested that the volume from these countries as captured by IBIS is in LMT, and not in DMT. This required a revision/rationalization of import volumes in respect of the said countries. Accordingly, the total import volume of 3,71,157 DMT has been arrived at on the basis of IBIS data.
- vi) The profitability for Lye and Flake, under the injury parameters, has been separately determined and in both the forms of the subject goods there is a decline in profitability.
- vii) The submission that the net selling price is above non injurious price is factually incorrect.

- viii) Methodology adopted for determination of non injurious price, including return on capital employed, was disclosed in the Annexure IV of the disclosure statement.
- ix) Domestic selling price of Hanwha Chemical Corporation in Korea and the adjustments thereon have been duly verified from the relevant records maintained by the company. The Authority has the domestic selling prices on the basis of duly verified data. As regards possible domestic sales to affiliated parties by Hanwha Chemical Corporation, it is noted that sales to affiliated parties are too insignificant volume-wise *vis-a-vis* the total domestic sales. Moreover, the selling price to the affiliated parties are found in the same price range as the price to the non-affiliated parties.
- x) The Authority has duly adjusted the expenses incurred at each channel of the export chain to arrive at the net export price. It has also been duly indicated at appropriate places in this Findings.
- xi) Hanwha Corporation is neither the producer nor the exporter of the subject goods in the present case. It is only a trading arm of Hanwha Chemical Corporation (HCC) which is the producer of the subject goods. The export transactions to India have been made at the end of Tricon Energy Ltd., USA. Both HCC (producer) and Tricon Energy Ltd. (exporter) have furnished the requisite questionnaire response. Therefore, non submission of exporter's questionnaire response does not render the sales channel incomplete.
- xii) Non Injurious Price (NIP) has been determined by the Authority on the basis of AD Rules in force. Details of methodology followed in determination of NIP have been indicated in the disclosure statement.

G. Dumping and Dumping Margin

24. According to Section 9A(1)(c) of the Customs Tariff Act, 1975, the following shall form the basis for determination of normal value in the exporting countries.

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*
 - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Normal Value

Saudi Arabia

25. The Authority notes that only one producer/exporter, namely, SADAF has submitted the exporters' questionnaire's response. However, the said response is found to be deficient in as much as it did not contain Appendix-1 furnishing information in respect of their home market sales which is vital for determination of normal value. However, operating statistics in Appendix-3 of SADAF's response reported SABIC sales under domestic market column and no response has been received by the Authority from SABIC. In the absence of Appendix-1 in SADAF's response, the Authority is not in a position to ascertain normal value for SADAF based on home market sales. On the other hand, SADAF has requested to

determine normal value on the basis of their cost of production. However, under the law, normal value cannot be determined on the basis of cost of production in the country of origin when sales of the like articles in the domestic market of the exporting country have been reported in Appendix-3. The Authority notes that clarification was sought from SADAF in regard to their home market sales and Appendix-3 submitted by them and the apparent contradiction in their submissions. However, no clarification has been received in this regard from SADAF's end. On the other hand, information regarding domestic market price of the subject goods for Saudi Arabia is not available from Harriman Chemsult publication which the Authority has proposed to rely upon in respect of non-cooperative exporters of other subject countries in the present investigation. In the circumstances, the Authority has constructed normal value for all producers/exporters of Saudi Arabia on the basis of best information available on record. Thus, the normal value has been determined at USD ***

U.S.A.

26. The Authority notes that no producer from USA has submitted exporters' questionnaire response. Therefore, the Authority has relied upon the information available with it. The Authority proposes to consider the price reported by Chlor-Alkali (published by Hariman Chemsult) as a reliable indicator of the prevailing prices of caustic soda in the domestic markets in various countries/territories including North America. Accordingly, the Authority adopts the price information from Chlor-Alkali and determines normal value for all producers/exporters of U.S.A. at US \$ ***/DMT.

Korea RP

M/s. Hanwha Chemical Corporation (HCC)

27. The Authority notes that one producer/exporter namely, M/s. Hanwha Chemical Corporation (HCC) has submitted exporters' questionnaire response reporting, inter-alia, their home market sales and adjustments thereon on account of transportation cost, credit cost, insurance and discount. Appendix-1 of HCC's response relating to home market sales has been duly verified and the Authority finds that 5,29,290 MT of subject goods have been sold in the home market during the POI and per unit invoice value is US \$ ***/DMT. Total adjustments claimed on inland freight, insurance,

discount and credit cost to the tune of US \$ ***/DMT are verified. Accordingly, normal value on the basis of domestic selling price at ex-factory level is determined at US \$ ***/DMT for M/s. Hanwha Chemical Corporation.

Non-cooperative producers/exporters

28. The Authority notes that no other producer/exporter from Korea RP has submitted exporters' questionnaire response. Therefore, normal value for the residual category from Korea RP has been determined on the basis of information available on record. In this regard, the Authority considers the price reported by Chlor-Alkali (published by Hariman Chemsult) as a reliable indicator of the prevailing prices of caustic soda in the domestic markets in various countries/territories including Korea RP. Accordingly, the Authority adopts the price information from Chlor-Alkali and determines normal value for all producers/exporters of Korea RP at US \$ ***/DMT.

Export Price

Korea RP

Export price for M/s. Hanwha Chemical Corporation (HCC) and Tricon Energy Ltd., USA

29. The Authority notes that M/s. Hanwha Chemical Corporation (HCC) has exported the subject goods through Tricon Energy Ltd., USA which has submitted the exporters' questionnaire response. The export chain to India consisted of HCC, Korea RP – Hanwha Corporation, Korea RP – Tricon Energy Ltd., USA – Indian customers. All export transactions for quantity ***/DMT have been made through Hanwha Corporation and finally through Tricon Energy Ltd. which has raised invoices on the customers in India. The value of transaction and the expenses incurred at each stage in the aforesaid export chain have been duly verified and factored in to arrive at net export price. The Authority has adopted Tricon's invoice price to India as the base price of export. Following adjustments are considered to arrive at a net export price :-

- a) expenses incurred by Tricon Energy on account of ocean freight (in two transactions), bank charges and selling expenses (US \$ ***/DMT).

- b) the margin of Hanwha Corporation in the export chain (US \$ ***/DMT).
- c) adjustments on account of credit, handling, insurance and overseas freight borne by Hanwha Chemical Corporation (US\$ ***/DMT).

Thus, the net export price for HCC (Producer) and Tricon (Exporter) is proposed to be determined as US \$ ***/DMT.

Non-Cooperative exporters

30. For the exporters in residual category, the Authority proposes to determine the export price (CIF) on the basis of the lowest invoice value of export transactions to India of the cooperative exporter i.e US\$ ***/DMT. Adjustments as claimed and verified in respect of the cooperative exporters are proposed to be considered for arriving at net export price. Thus, the export price at ex-factory level for the non-cooperative exporters of Korea RP is determined at US \$ ***/DMT.

U.S.A.

31. It is noted that no other exporter from USA except M/s. Tricon Energy Ltd. has submitted the exporters' questionnaire response. Therefore, the export price (CIF) for all exporters of USA other than M/s. Tricon Energy Ltd. is proposed to be determined at USD ***/DMT on the basis of information provided by IBIS. Adjustments of US \$ ***/DMT towards ocean freight and bank charges as per information available from the response of M/S Tricon Energy Limited, USA are proposed to be considered for arriving at export price at ex-factory level. Thus, the net export price for all exporters of USA other than M/s. Tricon Energy Ltd. is determined at US \$ ***/DMT.

Saudi Arabia

32. The Authority notes that SADAF from Saudi Arabia is the producer of subject goods which are exported to India through Shell Trading Middle East Enterprise (STME), Dubai and Petrochem Middle East, FZE, Dubai. Petrochem Middle East FZE has raised the invoices on Indian customers. The export chain to India consists of SADAF – STME – Petrochem Middle East – Indian customers. The export sales made to India in the said chain are considered for the determination

of export price. For determination of net export price, expenses incurred by Petrochem Middle East on account of commission, ocean freight, ocean insurance and credit cost totaling ***/DMT have been adjusted. Further, the expenses incurred at STME's end on account of amount of credit notes issued to Petrochem Middle East and marketing fee totaling US\$ ***/DMT have been adjusted to arrive at net export price. Thus, net export price (at ex-factory level) is determined at US\$ ***/DMT.

Non-Cooperative exporters

33. For the exporters in residual category, the Authority proposes to determine the export price (CIF) on the basis of the lowest invoice value of export transactions to India of the cooperative exporter i.e US\$ ***/DMT. Adjustments as claimed and verified in respect of the cooperative exporter, i.e US\$ ***/DMT are proposed to be considered for arriving at net export price. Thus, the export price at ex-factory level for the non-cooperative exporters of Saudi Arabia is determined at US \$ ***/DMT.

Dumping Margins

34. On the basis of comparison of aforesaid normal value and export price (both at ex-factory level), Dumping margin is determined as under :-

| Country | Producers/ Exporters | Normal Value USD/DMT | Net Export Price USD/DMT | Dumping Margin USD/DMT | Dumping Margin Range (%) |
|-------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------|-----------------------------------|------------------------------|--------------------------------|
| Korea RP | Hanwha Chemical Corporation (Producer)- Hanwha Corporation- Tricon Energy Ltd. (Exporter) | *** | *** | (***) | (10 - 20) |
| | Any other | *** | *** | *** | 50 - 60 |

| | combination | | | | |
|--------------|------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|-----|-----|---------|
| Saudi Arabia | SADAF (Producer)- STME - Petrochem Middle East FZE, Dubai, UAE (Exporter) | *** | *** | *** | 20 -30 |
| | Any other combination | *** | *** | *** | 50 -60 |
| U.S.A. | All Producers/ Exporters | *** | *** | *** | 70 - 80 |

H. INJURY

Submissions of Domestic Industry

35. The Domestic Industry has submitted that subject goods from Saudi Arabia, Korea RP and USA have caused material injury to the Domestic Industry as evident from the following:

- a. The margin of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed;
- b. Demand of the product in the Country has shown a positive trend, whereas sales of the Domestic Industry at the same time show a negative trend after increasing up to 2007-08. As a result, market share of the Domestic Industry declined over the injury period.
- c. Imports have increased significantly in relation to total imports, production and consumption in India.
- d. Volume of dumped imports from subject countries has increased very significantly in absolute terms in the current Period of Investigation.
- e. Weighted average import prices (after including basic customs duties) have been significantly below the net sales realization of the Domestic Industry. This has led to price undercutting.
- f. Demand showed continued increase. Sales of the Domestic Industry and consequently production and capacity utilization to some extent showed the impact of rising demand. However industry lost market share. Clearly, increase in sales is not in line with the increase in demand of product in India. With the increase in demand, sales of domestic industry should be 1102118 MT, clearly domestic industry lost sales of 105960 MT, which is very significant.

- g. The profitability of the company has deteriorated over the injury period and was negative in Period of Investigation. Despite imposition of anti dumping duty, the domestic industry is suffering financial losses;
- h. Price undercutting has led to both price suppression and depression in the market. Whereas the cost of production has increased, the selling prices have declined.
- i. Profit before interest is also negative. In other words, the domestic industry is unable to service its interest costs;
- j. Cash profit has shown a steep decline in the Period of Investigation.
- k. Return on investment declined steeply and was negative during Period of Investigation.

Submissions of Importers , Exporters & Users

36. Following arguments have been advanced by various importers, exporters and users of subject goods.

(i) No jurisdiction to conduct a review under Rule 23

The petition for Mid-Term Review and initiation of Mid-Term Review based on such petition are not sustainable in law as section 9A(5) read with rule 23 (1) provides Mid-Term Review in cases where circumstances have changed and due to that need arises to recommend for reduction or revocation of continued imposition of duty.

(ii) Two versions of the application filed

Upon verification of the public file, it is found out that there were two versions of applications filed by the domestic industry. It is not known which version was the application filed by the domestic industry based on which the initiation took place.

(iii) Grouping, Ungrouping and Re-grouping of countries not contemplated under the law:

The grouping, ungrouping and re-grouping of various countries in different original, Mid-Term Review or Sun Set Review investigation violates Rule 19 as it is discriminatory in nature. If NIP is changed then the injury margin will change for all the countries.

(iv) Form of duty cannot be changed in a review in a discriminatory manner

(v) Findings of DG Safeguards not considered by DGAD

Before initiation of Mid-Term Review the DGAD has not considered findings of DG (Safeguard), otherwise no Mid-Term Review would have initiated. Requested for considering the same before issuance of Final Finding. They submitted that the DG (Safeguard) has not recommended duty after arriving at a conclusion that no injury is caused to the Domestic Industry. They quoted certain specific paras from the Final Finding of the DG(S) in this regard.

(vi) Overstated import data presented in the petition:

Domestic Industry has overstated imports as the representative of Domestic Industry admitted also during public hearing.

(vii) Export price stated at a very low level:

Though export prices have increased substantially but due to faulty selection of POI it has been stated at very low level.

(viii) Injury to Domestic Industry

Domestic Industry is not suffering any injury as most of the economic factors show significant improvement during POI. The Profit, capacity, capacity utilization, prices, employment, etc. increased.

(ix) Other factors causing injury

- Bottleneck in capacity utilization due to declining trend in prices of Chlorine
- This price decline of Chlorine is ranging from 50% to 70%, which must be affecting the production. It is an admitted fact that when 1 MT Caustic Soda is produced then 0.89 MT Chlorine is being produced which is almost equal quantity. The price realized for Chlorine in the beginning itself was very low, which got deteriorated to a large extent further as stated above. No prudent industrial house will keep on producing a product of which prices are declining at such a sharp rate.
- Bottleneck in production due to low demand of Chlorine: In Annual Reports it has been admitted that demand of Chlorine is sluggish in the market resulting into poor off-take which further results in poor utilization of production capacity. It is again emphasized that data relating to production, storage, storage capacity, sale and off-take of chlorine need to be provided so that a fruitful comment may be made in this respect. In any case the DGAD must make a through analysis of this aspect before reaching to any conclusion.
- Moreover, any problem suffered by the domestic companies are not due to the alleged dumping, but due to other factors as have been stated by the companies themselves in their respective annual reports. Evidently, only SIEL

is lagging behind other domestic producers for reasons stated in their annual report for the year ending September 2009 as follows:

- i. *"During the period April to September 2009, the plant operated at low capacity due to reduced availability of power from Punjab State Electricity Board."*
 - ii. *"Chlorine will remain under pressure, due to surplus availability and volatility in the demand in the end-user segments".*
 - iii. *"The lower demand of Chlorine would limit the Caustic Soda production and its availability in the country".*
 - iv. *"Chlorine prices in North India will remain under pressure as demand is limited, with CPW and Paper as the only major segments utilizing Chlorine".*
- Similarly, **Aditya Birla Group Company** has also stated the problems and risks faced by it during the year 2009-10 in their annual report. It states:
 - i. *Increase in the cost of basic raw material i.e. Salt and Coal*
 - ii. *Substantial reduction in the coal quantity in revised FSA*
 - iii. *Import threat of Caustic Soda*
 - iv. *Frequent bandhs (strikes) and extremist activities affecting movement of goods and Productivity*
 - v. *Inadequate market for Chlorine and HCL in the region leading to high logistic cost*
 - Also, **Grasim** in their annual report for the year 2009-10 have stated their concern as follows:
 - i. *"Caustic prices are expected to remain under pressure due to the commissioning of new capacities coupled with cheap imports".*
 - ii. *"Production will be curtailed in the first quarter of FY '10-11 till the onset of monsoon due to water shortage".*

If such factors are considered, it would lead to only one possible outcome that any injury or problem faced by the domestic industry is due to its own inherent problems and not due to imports, as has been erroneously claimed by the petitioner.

(x) Geographical imbalance

There is a serious geographical imbalance between the demand and supply of subject goods. The majority of caustic soda producers are located on western coast while the major consumers i.e. aluminium mining industries are located on east coast and due to that Domestic Industry is not able to cater demand in time.

Examination by the Authority

37. The Authority has examined the major submissions of the interested parties with regard to injury to the domestic industry as under :-

- a. As regards geographical imbalance in the location of the domestic industry of subject goods vis-à-vis location of user industry, the Authority notes that the same logic applies to the imports as well, a large part of which lands on the Western coast, as per information available.
- b. As regards factoring in of chlorine in the injury analysis, the Authority notes that chlorine has been treated as a by-product/joint product, as per the cost records maintained by the respective interested parties. This has been the consistent practice of the Authority in all the previous investigations concerning the subject goods hitherto conducted. The Authority also notes that the CESTAT order in this regard has been appealed against in Hon'ble Supreme Court and the matter has since been stayed by Hon'ble Supreme Court.
- c. As regards jurisdiction under Rule 23, the Authority notes that all mid-term reviews so far conducted by the Authority are under Rule 23. The present review is on the basis of changed circumstances.
- d. Regarding grouping/re-grouping of countries covered under different investigations, the Authority notes that there is no barrier under the law in this regard.
- e. With regard to over-stated import data, the Authority notes that the domestic industry has already clarified the error in this regard by way of repeated import transactions which has occurred at the end of data agency namely IBIS on which the domestic industry relied. The import data has now been rectified.
- f. As regards injury to the domestic industry, the Authority has examined the economic parameters as required under the Anti-Dumping Rules and the Authority's comments in this regard have been provided at appropriate places in the Disclosure statement.
- g. The Authority notes that present petition has been filed by Alkali Manufacturing Association of India on behalf of the domestic industry. Gujarat Alkalies & Chemicals Limited, Grasim Industries Limited, DCM Shriram Consolidated

Limited, SIEL Industrial Complex (A Unit of Mawana Sugars Limited), Bihar Caustic & Chemicals Limited (now known as Aditya Birla Chemicals (India) Limited). These producers are eligible domestic producers under Rule 2(b). Further, production of these producers collectively account for a major proportion in Indian production. These companies have been considered as participating companies.

- h. Post initiation, Solaris Chemtech Limited and DCW Limited also provided their injury information. However, the interested parties present at the time of oral hearing objected to addition of information from more domestic producers after initiation and demanded that the Authority should not consider their information for injury assessment. Considering the objection raised by the opposing interested parties and considering the fact that the aforesaid two companies have submitted their injury information belatedly, the Authority decided not to consider the information filed by DCW Ltd. and Solaris Ltd. and informed the interested parties about the same.
- i. The participating companies collectively constitute domestic industry under the Rules. The authority has examined injury to the domestic industry with regard to these participating companies. The issues raised by interested parties in relation to injury have been duly examined by the Authority in appropriate places in the findings.

Cumulative assessment of Injury

38. Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subject to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such dumped imports, in case it determines that:
- (i). the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
 - (ii). cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

39. Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
40. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows.

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.”

41. Relevant economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume, etc. have been examined as under.

Volume Effects of Dumped Imports:

Import Volumes and Market Share

42. Annexure-II (ii) of the AD Rules provides that “while examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India ...” Thus, with regard to

the volume of the dumped imports, it has been examined whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of volume injury analysis the Authority has relied on import data sourced from IBIS as IBIS has reported higher volume than the DGCI&S when transaction wise imports are available from both sources. Accordingly, volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analyzed as under

| Particulars | Unit | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | Oct'08- Dec'09 Annualised |
|--------------------------------------------------------------------------------|------|----------|----------|----------|---------------------------------|
| Imports | | | | | |
| Subject Countries | MT | 31725 | 17357 | 23463 | 1,14,565 |
| Countries under parallel dumping investigations | MT | 10 | 3,612 | 16,941 | 77,590 |
| Dumped imports under investigations | MT | 31735 | 20969 | 40404 | 1,92,154 |
| Other Countries | MT | 1,56,593 | 1,26,053 | 1,36,037 | 1,04,771 |
| Total Imports | MT | 1,88,328 | 1,47,022 | 1,76,441 | 2,96,926 |
| Market Share of subject Imports in the total imports | | | | | |
| Subject Countries | % | 16.85 | 11.81 | 13.3 | 38.58 |
| Countries under parallel dumping investigations | % | 0.01 | 2.46 | 9.6 | 26.13 |
| Dumped imports under investigations | % | 16.85 | 14.26 | 22.9 | 64.71 |
| Other Countries | % | 83.15 | 85.74 | 77.1 | 35.29 |
| Total Imports | % | 100 | 100 | 100 | 100 |
| Share of subject dumped imports in relating to production of domestic industry | % | 3.93 | 1.93 | 2.57 | 12.28 |
| Share of subject dumped imports in | % | 1.61 | 0.85 | 1.10 | 5.08 |

| | | | | | |
|-------------------------------------|--|--|--|--|--|
| relating to consumption in India | | | | | |
|-------------------------------------|--|--|--|--|--|

43. Imports of the subject product from subject countries have increased significantly in absolute volumes and the increase was quite significant (nearly four fold) in period of investigation compared with the base year. It is noted that imports from other countries, separately under investigation, have also increased significantly. It is also noted that imports from third countries, though significant, have declined over the injury period.
44. Share of subject countries in total imports of the product has increased significantly from base year to period of investigation. Imports from other countries for which parallel investigation is being conducted have also increased over the injury period. The cumulative imports from countries at present under investigation have increased from 16.85% in 2006-07 to 64.71% in period of investigation.
45. Imports of subject goods from subject countries in relation to production as well as consumption in India have also increased during the POI compared to the base year.
46. On the basis of the above, the authority concludes that imports of the product from subject countries have increased significantly in absolute terms and in relation to production and consumption in India.

Price effect of imports

47. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject

countries. The net sales realization was arrived after deducting all rebates and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge, applicable basic customs duty and applicable cess to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry.

Price undercutting

48. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. Authority has determined net sales realization considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts & commissions. Entire sales volumes of the domestic industry have been included in the calculations. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges, applicable basic customs duty and applicable cess. The comparison was done between net sales realization and landed price of imports.

(Rs./MT)

| SN | Particular | Landed price | Net Selling price of DI | Price Undercutting (amount) | Price Undercutting Range (%) |
|----|-------------------|--------------|-------------------------|-----------------------------|------------------------------|
| 1 | Korea RP | *** | *** | *** | 20 - 30 |
| 2 | U.S.A. | *** | *** | *** | 10 - 20 |
| 3 | Saudi Arabia | *** | *** | *** | 10 - 20 |
| 4 | Subject Countries | *** | *** | *** | 10 - 20 |

49. It is seen from the above that the landed price of imports of the subject goods are below the net selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting.

Price suppression

50. In order to determine whether the dumped imports are suppressing the domestic prices, the Authority determined whether the effect of such imports is to prevent price increases, which otherwise would have occurred. For the

purpose, the import prices of subject goods have been compared with the trends in cost of production and selling price of the domestic industry.

| SN | Particulars | Unit | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI |
|----|-------------------|---------|---------|---------|---------|--------|
| 1 | Cost of Sales | Rs./MT | *** | *** | *** | *** |
| | Trend | Indexed | 100 | 97 | 126.72 | 133.40 |
| 2 | Net Selling price | Rs./MT | *** | *** | *** | *** |
| | Trend | Indexed | 100 | 96.19 | 121.12 | 112.38 |

51. From the above, it is noted that there is an increase in both the cost of sales as well as the selling price of the domestic industry during POI, as compared to the base year. However, the increase in selling price is proportionately lower than the increase in the cost of sales. Thus the domestic Industry has not been able to realize prices of the subject goods commensurate with the increase in the cost of production. Thus, price suppression has taken place during the POI.

Economic parameters of the domestic industry

52. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

53. The various injury parameters relating to the domestic industry are examined as follows.

Production, capacity utilization and Market share of the Domestic Industry

| Particulars | Unit | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | Oct'08-Dec'09 | Oct'08-Dec'09 Annualised |
|------------------------------------------|------|---------|---------|---------|---------------|--------------------------|
| Capacity | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Production | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Capacity Utilization | % | 86% | 90% | 87% | 86% | 86% |
| Domestic Sales Volume – Petitioner | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Domestic Sales- Other Domestic producers | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Total import | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Demand | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Market share of domestic industry | % | 38.49 | 41.87 | 40.66 | 39.25 | 39.25 |

54. The authority notes that the domestic industry has added capacity over the injury period. Production of the domestic industry has shown increase over the period. Capacity utilization has remained stable during the injury period. Sales of the domestic industry in the domestic market show continued increase. The market share of the domestic industry has remained more or less stable during the injury period.

Profit/Loss, cash profit and return on investment

| SN | Particulars | Unit | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | Oct'08-Dec'09 |
|----|----------------------|---------|---------|---------|---------|---------------|
| 1 | Profit/loss – lye | Rs/MT | *** | *** | *** | *** |
| | Trend | Indexed | 100 | 94 | 105 | 53 |
| 2 | Profit/loss – flakes | Rs/MT | *** | *** | *** | Neg. |
| | Trend | Indexed | 100 | 108 | 133 | -31 |

| | | | | | | |
|---|------------------------------|---------|-----|-----|-----|-----|
| 3 | Profit before interest | Rs.Lacs | *** | *** | *** | *** |
| | Trend | Indexed | 100 | 105 | 122 | 73 |
| 4 | Profit/Loss – Lye plus Flake | Rs/Lakh | *** | *** | *** | *** |
| | Trend | Indexed | 100 | 107 | 124 | 64 |
| 5 | Cash Profit | Rs.Lacs | *** | *** | *** | *** |
| | Trend | Indexed | 100 | 110 | 135 | 95 |
| 7 | Capital employed NFA | Rs.Lacs | *** | *** | *** | *** |
| | Trend | Indexed | 100 | 99 | 125 | 118 |
| 8 | Return on investments – NFA | % | *** | *** | *** | *** |
| | Trend | Indexed | 100 | 106 | 98 | 50 |

55. The authority notes that profits of the domestic industry per unit is significantly reduced during the POI compared to the base year. As a result profits before interest tax also dropped significantly in period of investigation. As a result of decline in profitability, return on investment, which was improving between 2006-07 to 2008-09, dropped significantly in the period of investigation.

56. The authority has determined impact of dumping on the cash flow by considering cash profits generated from production and sales in the domestic market. It is noted that cash profits also declined in the period of investigation.

57. On the basis of the above, the authority proposes to conclude that the performance of the domestic industry deteriorated on account of profits, return on investment and cash flows.

Average Inventory

| SN | Particulars | UOM | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | Oct'08-Dec'09 Annualized |
|----|-------------------|-----|---------|---------|---------|--------------------------|
| 1 | Average Inventory | MT. | 2,864 | 5,341 | 6,261 | 10,579 |

| | | | | | |
|-------------------|---------|------|-------|-------|-------|
| Trends | Indexed | 100 | 186 | 219 | 369 |
| Inventory per day | MT | 7.85 | 14.63 | 17.15 | 28.98 |

58. From the above it is seen that both average inventory as well as inventory per day have drastically increased during the POI.

Employment and wages

| SN | Particulars | UOM | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | Oct'08-Dec'09 Annualized |
|----|----------------------------------|----------|---------|---------|---------|--------------------------|
| 1 | Number of Employee | Nos. | *** | *** | *** | *** |
| | Trends | Indexed | 100 | 91 | 89 | 88 |
| 2 | Wages | Rs./Lacs | *** | *** | *** | *** |
| | Trend | Indexed | 100 | 106 | 132 | 129 |
| 3 | Wage cost per unit of production | Rs./MT | *** | *** | *** | *** |
| | Trend | Indexed | 100 | 95 | 117 | 112 |

59. It is noted that the numbers of employees declined over the period. Further, wages paid have increased which appears consistent with the normal increase in wages.

Magnitude of Dumping

60. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports have caused injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined for the subject countries are significant.

Factors affecting prices

61. Examination of the trend in the volume of dumped imports from the subject country indicates significant increase in volume of dumped imports from subject countries. Price undercutting, price suppression and price underselling effects are also found to be positive.

Conclusion on injury parameters

62. It is thus seen that:

- i. Imports from subject countries have increased in absolute terms. The increase in imports is significant. Imports have increased in relation to production and consumption in India.
- ii. Imports are undercutting the prices of domestic industry to a significant extent.
- iii. Domestic industry has been forced to reduce the prices in a situation where its cost of production has increased. The imports are thus suppressing the domestic industry's prices.
- iv. Profits, return on investment and cash profits of the domestic industry declined in POI compared to the base year.
- v. Inventories with the domestic industry have increased substantially.
- vi. Dumping margins as a parameter of injury are quite significant.
- vii. Production of the domestic industry increased during POI compared to the base year and the capacity utilization has remained more or less stable.
- viii. Domestic sales increased over the injury period.
- ix. Wages and productivity does not show adverse impact of dumping. However, deterioration has taken place on other vital parameters of injury including the financial parameters.

63. On the basis of the above, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury on vital economic parameters.

Other Known Injury factors and Causal Link

64. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the AD Rules have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

i. Volume and prices of imports from other sources

During POI, imports of the subject goods from countries other than the subject country have been significant in volume. The Authority therefore examined imports from third countries. The Authority notes that imports beyond de-minimis levels have been reported from USA, Saudi Arabia, South Korea, China and Indonesia. The Authority is conducting midterm review investigation in respect of imports from USA, Saudi Arabia, South Korea. As regards China & Indonesia, the Authority notes that anti dumping duties are already in place.

ii. Contraction in demand

Demand for the subject goods has shown positive growth during the entire injury investigation period and therefore, the injury to the domestic industry cannot be attributed to the lack of demand in the country.

iii. Change in pattern of consumption

The data on consumption does not show any significant change in the pattern of consumption of the product.

iv. Developments in technology

There is no evidence of significant changes in technology submitted by any interested party, which could have caused injury to the domestic industry.

v. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

The subject goods are freely importable. The domestic industry constituents are major producers of the subject goods and account for significant domestic production and sales. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the attention of the Authority by any interested party.

vi. Export performance of the domestic industry

The export sales of the domestic industry is too insignificant in volume to cause any injury to the domestic industry.

vii. Productivity of the Domestic Industry

Productivity of the domestic industry in terms of production per employee or production per day has improved. Possible decline in productivity cannot be a factor causing injury to the domestic industry.

65. The aforesaid non-attribution analysis shows that no other known factors appear to have caused injury to the domestic industry

Factors establishing causal link

66. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated on vital economic parameters. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is analysed on the following grounds:

(i) The volume of dumped import from the subject countries and other countries under investigation increased significantly.

(ii) The subject imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry. Consequently, the domestic industry has been forced to sell at reduced prices vis-a-vis the increased cost of production. The dumped imports, thus, have caused price suppression.

(iii) Performance of the domestic industry with regard to vital financial parameters such as profits, cash flow and return on investments deteriorated as a result of price suppression.

67. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports.

Magnitude of Injury and injury margin

68. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during POI. Thus compared, the injury margin is determined as under:-

2536 45711-9

| Country | Producers/ Exporters | Landed Price Rs./MT | Non Injurious Price Rs./MT | Injury Margin Rs./MT | Injury Margin US\$./MT |
|-----------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------|-------------------------------------|----------------------------|------------------------------|
| Korea RP | Hanwha Chemical Corporation (Producer)- Hanwha Corporation - Tricon Energy Ltd. (Exporter) | *** | *** | *** | *** |
| | Any other combination | *** | *** | *** | *** |
| Saudi Arabia | SADAF (Producer)- STME- Petrochem Middle East FZE, Dubai, UAE (Exporter) | *** | *** | *** | *** |
| | Any other combination | *** | *** | *** | *** |
| U.S.A. | All Producers/ Exporters | *** | *** | *** | *** |

I. Likelihood of continuation or recurrence of injury

69. The Authority notes that dumping is continuing from subject countries in spite of the anti-dumping duty in force and domestic industry continues to suffer material injury due to such dump imports. Therefore, further examination of the likelihood of recurrence of dumping and injury is not required.

J. Conclusions

70. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- b. The domestic industry has suffered material injury;
- c. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

K. Indian Industry's Interest & Other Issues

71. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or even more sources of supply.

72. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

L. Recommendation

73 Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the definitive anti-dumping duty equivalent to the difference between the reference price indicated in Col.8 of the table below and the landed value of the subject goods, in case the landed value at the time of importation is below the value indicated at Col.8, is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government:

| S. No | Sub-heading | Description of goods | Country of Origin | Country of Export | Producer | Exporter | Amount (USD/DMT) |
|-------|------------------|-----------------------------------|-------------------|-------------------|----------------------------------------------|-----------------------------------------------------------|------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | 281511 281512 | Caustic soda (Lye & Solid/Flakes) | Korea RP | Korea RP | M/s Hanwha Chemical Corporation | Tricon Energy Limited, USA through M/s Hanwha Corporation | Not Applicable |
| 2. | - do - | - do - | Korea RP | Korea RP | Any combination other than at Sl. No.1 above | | 366 |
| 3. | - do - | - do - | Korea RP | Any country | Any | Any | 366 |

| | | | | | | | |
|-----|--------|--------|------------------------------------------|-------------------------------------|----------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------|-----|
| | | | | other than Korea RP | | | |
| 4. | - do - | - do - | Any country other than subject countries | Korea RP | Any | Any | 366 |
| 5. | - do - | - do - | Saudi Arabia | Saudi Arabia | SADAF | Petrochem Middle East FZE, UAE through Shell Trading Middle East (STME) | 379 |
| 6. | - do - | - do - | Saudi Arabia | Saudi Arabia | Any combination other than at Sl. No.5 above | | 379 |
| 7. | - do - | - do - | Saudi Arabia | Any country other than Saudi Arabia | Any | Any | 379 |
| 8. | - do - | - do - | Any country other than subject countries | Saudi Arabia | Any | Any | 379 |
| 9. | - do - | - do - | USA | USA | Any | Any | 379 |
| 10. | - do - | - do - | USA | Any country other than USA | Any | Any | 379 |
| 11. | - do - | - do - | Any country other than subject countries | USA | Any | Any | 379 |

For the purpose of this notification, "landed value" means the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

M. Further Procedure:

74. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority